RNI No. : TNHIN/2013/5252 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 165 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » शुक्रवार » 09-01-2026 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 सिंधू आसान जीत के साथ मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में

6 मित्रता हो तो विवेकानंद और अजीत सिंह जैसी

7 सेना की दुनिया को अच्छी तरह समझती हूं : चित्रांगदा सिंह

फर्स्ट टेक

सिद्दरामय्या ने केरल के मलयालम भाषा विधेयक का विरोध किया

बेंगलूरु/भाषा। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने केरल सरकार द्वारा कन्नड़ माध्यम के स्कूलों में भी मलयालम को अनिवार्य प्राथमिक भाषा बनाने संबंधी विधेयक का बृहस्पतिवार को विरोध किया और पड़ोसी राज्य से अपने ''दबावपूर्ण दृष्टिकोण'' को वापस लेने तथा देश की संवैधानिक नैतिकता को बनाए रखने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि भारत की एकता हर भाषा का सम्मान करने और प्रत्येक नागरिक को अपनी मातृभाषा में सीखने के अधिकार का सम्मान करने पर आधारित है।

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

चुनावी प्रपंच

हर चुनाव में हर दल को,
रहती बस मुद्दों की तलाश।
कर जाति धर्म गठजोड़ तोड़,
करते रहते इसके प्रयास।
इक दूजे को नीचा करने,
पुश्तों तक की करते तपास।
जिसको इक कहता है विनाश,
दूजा उसको कहता विकास।।

भारतीय एआई मॉडल विशिष्ट होने चाहिए

स्वदेशी सामग्री को बढ़ावा मिले : प्रधानमंत्री मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत पर दुनिया का विश्वास ही उसकी सबसे बड़ी ताकत है और उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि यह सुनिश्चित करना आवश्यक है कि भारतीय कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) मॉडल नैतिक, निष्पक्ष और पारदर्शी होने के साथ-साथ डेटा गोपनीयता सिद्धांतों पर आधारित हो। उन्होंने यह भी कहा कि स्टार्टअप को इस देश से वैश्विक नेतृत्व की दिशा में काम करना चाहिए और उल्लेख किया कि भारत वहनीय एआई, समावेशी एआई और मितव्ययी नवाचार को विश्व स्तर पर बढ़ावा दे सकता है।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, 'इंडिया एआई इम्पैक्ट समिट 2026' से पहले, भारतीय एआई स्टार्टअप के साथ एक बैठक की अध्यक्षता करते हुए मोदी ने सुझाव दिया कि भारतीय एआई मॉडल विशिष्ट होने चाहिए और उन्हें स्थानीय और स्वदेशी सामग्री तथा क्षेत्रीय भाषाओं को बढ़ावा देना चाहिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि स्टार्टअप और कृत्रिम बुद्धिमत्ता उद्यमी देश के भविष्य के सह-निर्माता हैं।

सोमनाथ पर्व उनकी याद में मनाया जाता है जिन्होंने सिद्धांतों, मूल्यों से कभी समझौता नहीं किया : मोदी

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि बृहस्पतिवार से शुरू होने वाला 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' भारत माता के उन असंख्य सपूतों को स्मरण करने का पर्व है, जिन्होंने कभी अपने सिद्धांतों और मूल्यों से समझौता नहीं किया।

मोदी ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''जय सोमनाथ! सोमनाथ स्वाभिमान पर्व की आज से शुरुआत हो रही है। एक हजार वर्ष पूर्व, जनवरी 1026 में सोमनाथ मंदिर ने अपने इतिहास का पहला आक्रमण झेला था। साल 1026 का आक्रमण और उसके बाद हुए अनेक हमले भी हमारी शाश्वत आस्था को डिगा नहीं सके। बल्कि इनसे भारत की सांस्कृतिक एकता की भावना और सशक्त हुई और सोमनाथ का बार-बार पुनरोद्धार होता रहा।''

प्रधानमंत्री 11 जनवरी को सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में शामिल होंगे।

तमिलनाडु खेलो इंडिया बीच गेम्स तालिका में शीर्ष पर

दीव/भाषा। तमिलनाडु ने बृहस्पतिवार को यहां 'खेलो इंडिया बीच गेम्स' (केआईबीजी) 2026 के चौथे दिन पेनकैक सिलाट और बीच वॉलीबॉल में शानदार प्रदर्शन करते हुए दो स्वर्ण, दो रजत और तीन कांस्य पदक के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर जगह बना ली। तमिलनाडु की महिला टीम ने पुडुचेरी को हराकर स्वर्ण पदक जीता जबकि पुरुष टीम को रजत और कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। पुरुष बीच वॉलीबॉल में गोवा और तमिलनाडु की दो-दो टीमों के बीच मुकाबला हुआ। फाइनल में गोवा ने तमिलनाडु को हराकर खिताब अपने नाम किया।

आतंकवाद रोधी अभियान मिशन मोड में जारी रहने चाहिए : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि आतंकी ढांचे और आतंकवाद के वित्तपोषण पर निशाना साधने वाले आतंकवाद रोधी अभियान ''मिशन मोड'' में जारी रहने चाहिए। उन्होंने कहा कि जम्मू कश्मीर को जल्द से जल्द ''आतंकवाद मुक्त'' बनाने के लक्ष्य को पाने के लिए सभी संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे।

केंद्र शासित प्रदेश को लेकर एक उच्चस्तरीय सुरक्षा समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए, शाह ने सभी सुरक्षा एजेंसियों को सतर्क रहने और मिलकर काम करते रहने का निर्देश दिया ताकि अनुच्छेद 370 को समाप्त करने के बाद हासिल फायदे कायम रहें। उन्होंने आश्वासन दिया कि इस दिशा में सभी संसाधन उपलब्ध कराए जाएंगे।

केंद्र शासित प्रदेश के सुरक्षा हालात को मजबूत करने के लिए सुरक्षा एजेंसियों के प्रयासों की तारीफ करते हुए, शाह ने कहा, ''आतंकवादी ढांचे और आतंकवाद के वित्तपोषण पर निशाना साधने वाले आतंकवाद रोधी अभियान मिशन मोड में जारी रहने चाहिए।'' उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में सरकार जम्मू कश्मीर में स्थायी शांति लाने और आतंकवाद को पूरी तरह खत्म करने के लिए प्रतिबद्ध है। एक आधिकारिक बयान के अनुसार आतंकवाद को कतई बर्दाश्त नहीं करने की नीति को दोहराते हुए, शाह ने कहा कि मोदी सरकार के लगातार और समन्वित प्रयासों के कारण, जम्मू कश्मीर में आतंकी तंत्र को कमजोर कर दिया गया है।

सरकार की वाहनों के बीच संचार वाली प्रौद्योगिकी लाने की तैयारी, सड़क दुर्घटनाओं में आएगी कमी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने बृहस्पतिवार को कहा कि सड़क दुर्घटनाओं पर लगाम लगाने के लिए केंद्र सरकार वाहन-से-वाहन (वी2वी) संचार प्रौद्योगिकी लाने पर काम कर रही है।

वी2वी संचार प्रौद्योगिकी की मदद से वाहन एक-दूसरे से सीधे संवाद कर सकेंगे, जिससे चालक को आसपास मौजूद अन्य वाहनों की गति, स्थिति, तेजी, ब्रेक लगाने की जानकारी और अचानक नजर न आने वाली जगह में मौजूद वाहनों के बारे में वास्तविक समय पर अलर्ट मिलेगा। इससे चालक समय रहते आवश्यक कदम उठा सकेगा और दुर्घटनाओं की आशंका कम होगी।

उन्होंने कहा, इस उद्देश्य से दूरसंचार विभाग के साथ एक संयुक्त कार्यबल का गठन किया गया है। दूरसंचार विभाग ने वी2वी संचार के लिए 30 मेगाहर्ट्ज स्पेक्ट्रम (5.875-5.905 गीगाहर्ट्ज) के उपयोग को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी है। गडकरी ने राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों के परिवहन मंत्रियों की वार्षिक बैठक के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि सरकार सड़क इंजीनियरिंग में सुधार, कानूनों को सख्ती से लागू करने और यातायात नियमों के उल्लंघन पर दंड बढ़ाकर सड़क हादसों में होने वाली मौतों को कम करने की कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि देश में हर साल करीब पांच लाख सड़क दुर्घटनाएं होती हैं, जिनमें लगभग 1.8 लाख लोगों की जान चली जाती है। इनमें से करीब 66 प्रतिशत मौतें 18 से 34 वर्ष आयु वर्ग के लोगों की होती हैं।

KALINGA INSTITUTE OF INDUSTRIAL TECHNOLOGY (KIIT)
Deemed to be University
(Established U/S 3 of UGC Act 1956), Bhubaneswar, Odisha, India

A++ Grade Accrediated by NAAC
THE World University Rankings 2026: 501+ Cohort Globally, 5th India Rank
QS World University Rankings 2026: 1st in Odisha, 9th in India among pvt. universities
nirf 2025: 17th Among Indian Universities
NBA: Tier 1 Re-accredited by NBA
ABET: ABET (US) Accreditation
IET Accredited Programme: The Institute of Engineering and Technology
Special Consultative Status by the UN-ECOSOC
Partnership with UN VOLUNTEERS

KIITEE 2026
APPLY NOW
through KIIT Websites
www.kiitee.ac.in / www.kiit.ac.in
No Examination Fee (Computer-Based Test)

Scan to Apply

ACADEMIC PROGRAMMES AVAILABLE

UG (3 years/4 years)/Integrated (5 years) Programmes
[All 4 years Programmes are with Honors/Research]

B.Tech Programmes
- Civil
- Construction Technology
- Electrical
- Electrical & Computer Science
- Mechanical
- Mechanical (Automobile)
- Aerospace
- Mechatronics
- Electronics & Telecommunication
- Electronics & Computer Science
- Electronics & Electrical
- Electronics (VLSI Design & Technology)
- Chemical
- Computer Science & Engineering (CSE)
- CSE (Artificial Intelligence & Machine Learning)
- CSE (Artificial Intelligence)
- CSE (Cyber Security)
- CSE (Data Science)
- CSE (Internet of Things & Cyber Security including Block Chain Technology)
- CSE (Internet of Things)
- Information Technology
- Computer Science & System
- Computer Science & Communication
- Biotechnology

UG Programmes in other Disciplines
- B.Design (Automobile/ Graphic/Product)
- B.Design (Fashion / Textile)
- Integrated M.Tech Biotechnology (5yrs)
- B.Tech (Lateral Entry)
- B.Arch
- BCA
- BBA
- B.Sc (Hospitality & Tourism)
- Bachelor of Film & Television Production
- Bachelor of Communication & Journalism
- Bachelor of Physical Education & Sports
- BA Economics
- BA Sociology
- BA English
- BA Psychology
- BA French
- BA Spanish
- BA Japanese
- BA German
- B.Com
- B.Sc (Economics & Data Analytics)
- B.Sc Computer Science
- B.Sc Nursing
- B.Pharma
- D.Pharma
- B.Sc.(Fintech & Business Analytics)
- B.Sc.(Statistics & Data Analytics)

PG (1 year/2 years)/Integrated (5 years) Programmes
- M.Tech
- LLM (1yr)
- MCA
- M.Sc Biotechnology
- M.Sc Applied Microbiology
- M.Arch
- MBA-IEV (Innovation, Entrepreneurship and Venture Development)
- Master of Communication & Journalism
- Master in Urban & Regional Planning
- Master in Yoga & Naturopathy
- Master of Hospital Administration
- Master of Public Health
- MA in Fashion Management
- M. Design (Interior)
- M.Sc Computer Science
- MA Economics
- MA Sociology
- MA English
- MA Psychology
- Master in Public Policy
- M.Com
- M.Sc Physics
- M.Sc Chemistry
- M.Sc Mathematics & Data Science
- Master in Library & Information Sciences
- Master in Physical Education & Sports
- M.Sc Nursing
- Integrated M.Tech & Ph.D
- Ph.D

2025 Placement Highlights
750+ Companies
6000+ Job Offers
₹53 LPA Highest Salary Offered
₹8.50 LPA Average CTC
1500+ Paid Internships

Director Admissions, Admission Cell (Koel Campus), KIIT DU, Bhubaneswar, Odisha, India-751024 admission@kiit.ac.in kiitee.ac.in 8080 735 735

KIIT (Deemed to be University) has only one permanent campus in Bhubaneswar, Odisha. It has no other campus / off campus anywhere else in the country and globe.

एयर इंडिया को निजीकरण के बाद मिला अपना पहला ड्रीमलाइनर विमान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयर इंडिया ने निजीकरण के बाद अपना पहला बोइंग 787-9 विमान प्राप्त कर लिया है।

टाटा समूह ने जनवरी 2022 में सरकार से विमानन कंपनी का स्वामित्व हासिल किया था।

यह एयर इंडिया के लिए विशेष रूप से विनिर्मित या 'लाइन फिट' पहला ड्रीमलाइनर विमान भी है। सामान्य तौर पर, 'लाइन फिट' का तात्पर्य किसी विशेष विमानन कंपनी के लिए विशेष रूप से विनिर्मित विमान से होता है।

एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को बताया कि एयर इंडिया ने सात जनवरी को सिएटल में बोइंग के एवरेट कारखाने में 'ड्रीमलाइनर' का स्वामित्व हासिल किया।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा निरीक्षण के बाद इस विमान के अगले कुछ दिन में भारत पहुंचने की उम्मीद है। जनवरी 2022 में निजीकरण के बाद एयर इंडिया द्वारा लिया जाने वाला यह पहला 'लाइन फिट' ड्रीमलाइनर है।

नए विमान में तीन श्रेणियों इकोनॉमी, प्रीमियम इकोनॉमी और बिजनेस क्लास होंगी।

एयर इंडिया ने आखिरी बार 'लाइन फिट' ड्रीमलाइनर अक्टूबर 2017 में हासिल किया था जब विमानन कंपनी सरकार के स्वामित्व में थी।

अधिकारी ने बताया कि यह नवीनतम विमान उसका पहला 'वाइड-बॉडी' विमान है और 2023 में ऑर्डर किए गए 220 बोइंग विमान में से 52वां विमान है।

एयर इंडिया एक्सप्रेस को पहले ही 'नैरो-बॉडी' बोइंग 737-8 के 51 विमान की आपूर्ति मिल चुकी है। इसमें दिसंबर के अंत में शामिल किया गया उसका पहला 'लाइन फिट' विमान भी शामिल है।

टाटा समूह द्वारा जनवरी 2022 में अधिग्रहण के बाद, एयर इंडिया ने 350 एयरबस और 220 बोइंग विमान का ऑर्डर दिया। एयरबस के ऑर्डर में से 6 ए350 विमान पहले ही एयर इंडिया के बेड़े में शामिल किए जा चुके हैं।

एयर इंडिया के पास पहले से ही विस्तारा के 26 बी787-8 और 6 बी787-9 विमान हैं। विस्तारा का विलय एयर इंडिया में हो चुका है।

एयर इंडिया समूह के पास वर्तमान में 300 से अधिक विमान हैं जिनमें से 185 विमान एयर इंडिया के हैं और शेष एयर इंडिया एक्सप्रेस के हैं।

अधिकारी ने बताया कि पुराने करीब एक दर्जन ड्रीमलाइनर विमान नए रूप में 2026 तक सेवा में लौट सकते हैं।

राज्यसभा के सभापति के कार्य उपसभापति क्यों नहीं कर सकते : न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि राष्ट्रपति की अनुपस्थिति में उनके दायित्वों का निर्वहन यदि उपराष्ट्रपति कर सकते हैं, तो राज्यसभा के सभापति (उपराष्ट्रपति) की गैर-मौजूदगी में उपसभापति उनके कार्य क्यों नहीं कर सकते।

न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता और न्यायमूर्ति एस सी शर्मा की पीठ ने यह टिप्पणी की। पीठ ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के न्यायाधीश यशवंत वर्मा की ओर से पेश की गई इस दलील से असहमति जताई कि राज्यसभा के उपसभापति के पास किसी प्रस्ताव के नोटिस को खारिज करने का अधिकार नहीं है तथा न्यायाधीश (जांच) अधिनियम, 1968 के तहत, केवल लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति को ही किसी न्यायाधीश के खिलाफ प्रस्ताव लाने के लिए दिए गए नोटिस स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार है।

न्यायमूर्ति वर्मा के नई दिल्ली स्थित आधिकारिक आवास पर पिछले साल 14 मार्च को अधजले नोटों की गड्डियां मिलने के बाद उन्हें दिल्ली उच्च न्यायालय से इलाहाबाद उच्च न्यायालय में वापस भेज दिया गया था। न्यायमूर्ति वर्मा के खिलाफ भ्रष्टाचार के आरोपों की जांच कर रही संसदीय समिति की वैधता को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर अपना फैसला सुरक्षित रखते

हुए पीठ ने संबद्ध पक्षों को सोमवार तक अपनी लिखित दलीलें प्रस्तुत करने को कहा।

न्यायमूर्ति वर्मा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी और सिद्धार्थ लूथरा ने पीठ को बताया कि संविधान का अनुच्छेद 91, जो राज्यसभा के उपसभापति को सभापति की अनुपस्थिति में उनके कर्तव्यों का निर्वहन करने की अनुमति देता है, न्यायाधीश (जांच) अधिनियम के अनुसार सभापति में विशेष रूप से निहित विवेकाधीन शक्तियों का प्रयोग करने के लिए उपसभापति को आधार नहीं प्रदान करता।

लूथरा ने कहा कि नए सभापति की नियुक्ति तक इस मामले को टाला जा सकता था। तत्कालीन उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ ने पद से इस्तीफा दे दिया था, जिसके बाद उपसभापति हरिवंश ने न्यायाधीश को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने के संबंध में दिए गए नोटिस को खारिज कर दिया था।

रोहतगी ने कहा कि न्यायाधीश (जांच) अधिनियम उपसभापति को प्रस्ताव के नोटिस को स्वीकार या अस्वीकार करने का अधिकार नहीं देता है और यह अधिकार केवल लोकसभा अध्यक्ष और राज्यसभा के सभापति के पास है।

इस दलील पर पीठ ने कहा, ''यदि उपराष्ट्रपति, राष्ट्रपति की अनुपस्थिति में उनके कर्तव्यों का निर्वहन कर सकते हैं, तो क्या राज्यसभा के उपसभापति, सभापति की अनुपस्थिति में उनके कार्य नहीं कर सकते?''

न्यायमूर्ति दत्ता ने रोहतगी से कहा कि राष्ट्रपति की अनुपस्थिति में, यदि उपराष्ट्रपति कार्यवाहक राष्ट्रपति के रूप में न्यायाधीशों की नियुक्ति के आदेश पर हस्ताक्षर कर सकते हैं, तो सभापति की अनुपस्थिति में उपसभापति न्यायाधीश को पद से हटाने के लिए प्रस्ताव लाने के नोटिस को स्वीकार या अस्वीकार क्यों नहीं कर सकते।

न्यायमूर्ति दत्ता ने कहा, ''देश को आगे बढ़ना होगा।''

आवारा कुत्ते मामला: उच्चतम न्यायालय ने कहा, सड़कों से हर कुत्ते को हटाने का निर्देश नहीं दिया

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को कहा कि उसने सड़कों से हर कुत्ते को हटाने का निर्देश नहीं दिया है और उसका निर्देश पशु जन्म नियंत्रण (एबीसी) नियमों के तहत इन आवारा कुत्तों से निपटने से संबंधित था। आवारा कुत्तों के मामले में दलीलें सुनते हुए न्यायालय ने कहा कि कुत्ते उन लोगों को सूंघ सकते हैं जो या तो उनसे डरते हैं या जिन्हें कुत्ते ने काटा हो और वे ऐसे लोगों पर हमला कर देते हैं।

न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की विशेष पीठ, कुत्ता प्रेमियों द्वारा दायर उन याचिकाओं पर सुनवाई कर रही है, जिनमें न्यायालय के पूर्व आदेशों में संशोधन और निर्देशों के कड़ाई से अनुपालन की मांग की गई थी। न्यायमूर्ति मेहता ने कहा, ''हमने सड़कों से सभी कुत्तों को हटाने का निर्देश नहीं दिया है। निर्देश यह है कि उनसे नियमों के तहत निपटा जाए।'' पीठ ने वरिष्ठ अधिवक्ताओं सी यू सिंह, कृष्णन वेणुगोपाल, ध्रुव मेहता, गोपाल शंकरनारायणन, श्याम दीवान, सिद्धार्थ लूथरा और करुणा नंदी सहित कई वकीलों की दलीलें सुनीं। सुनवाई के प्रारंभ में, इस मामले में न्यायालय की सहायता कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता गौरव अग्रवाल ने पीठ को सूचित किया कि चार राज्यों ने बुधवार को इस मामले में अपने अनुपालन हलफनामे दाखिल किए हैं। अपनी दलीलों के दौरान, सिंह ने कहा कि दिल्ली जैसे स्थानों में चूहों का प्रकोप है और राष्ट्रीय राजधानी में बंदरों से भी एक अनूठी

समस्या है। उन्होंने कहा कि कुत्तों को अचानक हटाने से चूहों की आबादी बढ़ जाएगी, जिसके गंभीर परिणाम होंगे। उन्होंने कहा, ''चूहों की आबादी बढ़ने पर हमने बहुत ही भयावह परिणाम देखे हैं।'' न्यायमूर्ति मेहता ने हल्के-फुल्के अंदाज़ में कहा, ''कुत्ते और बिल्लियां दुश्मन हैं। बिल्लियां चूहों को मारती हैं। इसलिए, हमें बिल्लियों की संख्या बढ़ानी चाहिए।'' सिंह ने कहा कि वह उच्चतम न्यायालय द्वारा पारित आदेशों पर सवाल नहीं उठा रहे हैं और केवल पीठ से अनुरोध कर रहे हैं कि वह उन पर पुनर्विचार करे तथा उनमें कुछ संशोधन करे। उन्होंने कहा, ''इन कुत्तों को भी उसी तरह नियंत्रित किया जाए जो एकमात्र कारगर तरीका साबित हुआ है, यानी बंध्याकरण, टीकाकरण और इलाके में पुनः छोड़ना।'' पीठ ने कहा, ''हमें बताइए कि प्रत्येक अस्पताल के गलियारों, वार्डों और मरीजों के बिस्तरों के पास कितने कुत्ते घूमते दिखने चाहिए?'' सिंह ने कहा कि इस मामले में न्यायालय का इरादा निर्विवाद था और उसने इस बात पर ध्यान दिया था कि एबीसी नियमों और अदालतों द्वारा पारित आदेशों का पालन नहीं किया गया था। उन्होंने कहा, ''जिस बात ने आप माननीय न्यायाधीशों को चिंतित किया है, और यह उचित भी है, यह तथ्य है कि पशु जन्म नियंत्रण नियमों के लागू होने के बावजूद और इन पर अमल किए जाने के अदालती आदेशों के बावजूद, माननीय न्यायाधीशों ने पाया कि बड़ी संख्या में राज्यों और कई शहरों में, इन्हें लागू नहीं किया जा रहा है।''

पुरस्कारों से लोग जिंदा नहीं रहते, जिंदा रहने के लिए साफ पानी चाहिए : कांग्रेस

भोपाल/भाषा। मध्यप्रदेश की वाणिज्यिक राजधानी इंदौर में दूषित जल के कारण हुई मौतों को लेकर प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को राज्य की भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) नीत सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पुरस्कारों से लोग जिंदा नहीं रहते बल्कि जिंदा रहने के लिए साफ पानी चाहिए। राज्य विधानसभा में विपक्ष के नेता उमंग सिंघार ने यह भी सवाल किया कि शहर में नलों से 'जहर' निकल रहा है, ऐसे में इंदौर ने लगातार आठ बार सबसे स्वच्छ शहर का पुरस्कार कैसे जीता? उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार ने 'फर्जी दस्तावेजों' के आधार पर स्वच्छता पुरस्कार हासिल किए हैं। इस आलोचना को लेकर सत्तारूढ़ भाजपा ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कांग्रेस पर 'लाशों पर राजनीति' करने का आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार ने दूषित जल का मामला सामने आने के तुरंत बाद कार्रवाई की।

मैंने मोदी के लिए चुनाव प्रचार किया, अब वो मेरी पार्टी को खत्म करने पर तुले हैं : उद्धव ठाकरे

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने 2014 और 2019 में नरेन्द्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने के लिए चुनाव प्रचार किया था, लेकिन मोदी उनकी पार्टी को खत्म करने पर तुले हुए हैं। ठाकरे ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ साक्षात्कार में कहा, मुझे दुख और गुस्सा है कि मैंने 2014 और 2019 में मोदी जी के लिए प्रचार किया। दो बार उनकी मदद करने के बाद भी उन्होंने मेरी पार्टी को तोड़ दिया। ठाकरे ने कहा, मैं कह रहा था कि उन्हें प्रधानमंत्री बनाया जाना चाहिए। अब वे कह रहे हैं कि मेरा काम तमाम हो जाना चाहिए। उन्होंने कहा, लोगों को ये दोनों बातें समझ आने लगी हैं। ठाकरे ने यह भी कहा कि मुंबई को महाराष्ट्र से अलग करना भाजपा का पुराना सपना है। उन्होंने कहा, अब उन्हें लगता है कि बालासाहेब ठाकरे नहीं रहे और उन्होंने कागज़ों में शिवसेना को खत्म कर दिया है। लेकिन ज़मीन पर वे ऐसा नहीं कर सकते।

वित्त वर्ष 2025-26 में 7.5% रह सकती है देश की आर्थिक वृद्धि दर : एसबीआई रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय अर्थव्यवस्था चालू वित्त वर्ष में 7.5 प्रतिशत की दर से बढ़ने के साथ मजबूत वृद्धि दर्ज कर सकती है, जो राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के 7.4 प्रतिशत अनुमान से थोड़ा अधिक है। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) की एक रिपोर्ट में यह अनुमान जताया गया है। एनएसओ ने बुधवार को जारी प्रथम अग्रिम अनुमान में कहा था कि वित्त वर्ष 2025-26 में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर 7.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि पिछले वित्त वर्ष में यह 6.5 प्रतिशत थी। इसके पहले रिजर्व बैंक ने 7.3 प्रतिशत वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। एसबीआई के आर्थिक अनुसंधान विभाग की बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट के मुताबिक, आरबीआई और एनएसओ के अनुमानों के बीच ऐतिहासिक तौर पर 0.20-0.30 प्रतिशत अंक का अंतर होता है, लिहाजा 7.4 प्रतिशत का वृद्धि अनुमान अपेक्षित और तर्कसंगत है। रिपोर्ट के मुताबिक, हमारा मानना है कि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि लगभग 7.5 प्रतिशत रहेगी और इसमें ऊपर जाने का झुकाव बना हुआ है।

अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले में माफी मांगे विपक्ष : धामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

देहरादून/भाषा। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अंकिता भंडारी हत्याकांड मामले में अभिनेत्री उर्मिला सनावर का एक कथित नया ऑडियो आने के बाद बृहस्पतिवार को इस मामले में विपक्ष से माफी की मांग की। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से निष्कासित पूर्व विधायक सुरेश राठौर के साथ कथित बातचीत के इस ऑडियो में सनावर यह कहते हुए सुनाई दे रही हैं कि उन पर भाजपा के प्रदेश प्रभारी दुष्यंत गौतम का नाम लेने का दवाब था। सनावर, राठौर की कथित पत्नी हैं।

इस पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि राजनीतिक दलों में एक जिम्मेदारी का अहसास और भाव होना चाहिए लेकिन अंकिता हत्याकांड के मामले में यह बिल्कुल दिखाई नहीं दिया। उन्होंने कहा कि एक ऑडियो आने के बाद राज्य में लोगों को भड़काना तथा एक अस्थिरता, भ्रम और संदेह की स्थिति पैदा कर दी गई। धामी ने कहा, ''जनता सब देख रही है कि उन्होंने (विपक्षी दलों) ऐसा किया। अब जो नया ऑडियो आया है, उसके बारे में भी उन्हें कुछ कहना चाहिए। उन्हें उत्तराखंड के लोगों से माफी मांगनी चाहिए कि अपनी राजनीति के लिए उन्होंने अंकिता हत्याकांड मामले का इस्तेमाल किया।'' एक अन्य सवाल के जवाब में धामी ने कहा कि उन्होंने अंकिता के माता-पिता से मुलाकात कर उनकी बात सुनी है और अब उस पर विचार कर उनकी बेटी की हत्या की जांच के संबंध में जल्द ही निर्णय लिया जाएगा। इस हत्याकांड में सबसे ज्यादा कष्ट अंकिता के माता-पिता को हुआ है जिन्होंने अपनी बेटी खोई है।

'सत्ता की भूखी भाजपा किसी से भी गठबंधन कर सकती है, 'कांग्रेस युक्त' हो गई है'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जालना/भाषा। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष हर्षवर्द्धन सपकाल ने कहा कि कांग्रेस मुक्त भारत बनाने के प्रयास में भाजपा अब विपक्षी दल से लाए गए नेताओं से भरी हुई है। सपकाल ने संवाददाताओं से कहा कि अंबरनाथ नगरपालिका परिषद में निकाय चुनाव के बाद स्थानीय कांग्रेस इकाई के भाजपा से हाथ मिलाने के बाद कांग्रेस ने अपने पार्षदों को निलंबित कर दिया था, लेकिन बाद में भाजपा ने उनका अपनी पार्टी में स्वागत किया।

15 जनवरी को होने वाले निकाय चुनावों के लिए एक अभियान बैठक के बाद सपकाल ने कहा, भारत को 'कांग्रेस-मुक्त' (कांग्रेस मुक्त) बनाने के अपने प्रयास में, भाजपा स्वयं 'कांग्रेस युक्त' (कांग्रेस सहित) बन गई है। उन्होंने कहा कि अंबरनाथ और अकोट के घटनाक्रम से भाजपा की 'दोहरे रवैये' वाली नीति उजागर हो गई है, जिससे यह स्पष्ट हो गया है कि वह सत्ता के लिए अपने घोषित सिद्धांतों से समझौता कर सकती है। सपकाल ने बताया कि अंबरनाथ में कांग्रेस पार्षदों ने पार्टी नेतृत्व से परामर्श किए बिना भाजपा के नेतृत्व वाले मोर्चे में शामिल होने का फैसला किया, जिसके बाद उन्हें निलंबित कर दिया गया। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने कड़ी कार्रवाई की, लेकिन इसके बजाय भाजपा ने इन पार्षदों को अपनी पार्टी में शामिल किया। इससे पता चलता है कि भाजपा क्या कहती है और वह वास्तव में क्या करती है...मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कोई कार्रवाई नहीं की और केवल एक बयान दिया (कहा कि ऐसा गठबंधन अस्वीकार्य है)।

कॉरपोरेट को सस्ता श्रम उपलब्ध कराने के लिए केंद्र ने मनरेगा को बदला : रेड्डी

हैदराबाद/भाषा। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि केंद्र की राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने ग्रामीण गरीबों से काम करने का अधिकार छीनकर बड़े कॉरपोरेट घरानों को सस्ते श्रम की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए मनरेगा को 'वीबी-जी राम जी' से बदल दिया है। मुख्यमंत्री ने यहां प्रदेश कांग्रेस पदाधिकारियों और अन्य नेताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि मनरेगा ने ग्रामीण क्षेत्रों में प्रवासन और बंधुआ मजदूरी को समाप्त कर दिया तथा ग्रामीण श्रमिकों को काम मांगने के लिए सशक्त बनाया। रेवंत रेड्डी ने कहा, ''आज, अदाणी, अंबानी जैसे बड़े उद्योगपतियों के लिए श्रमिक उपलब्ध नहीं हैं। अगर गांवों में (म)नरेगा को खत्म कर दिया गया, तो ग्रामीण गरीब फिर से शहरों की ओर पलायन करेंगे। जब गरीब फिर से शहरों में आएंगे, तो अदाणी, अंबानी को श्रमिक मिलेंगे। (प्रधानमंत्री) नरेन्द्र मोदी हमें ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी जैसी कंपनियों का गुलाम बनाने और बंधुआ मजदूर बनाने के लिए (महात्मा गांधी राष्ट्रीय) ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना को खत्म करने की साजिश कर रहे हैं।

तुर्कमान गेट हिंसा: दिल्ली की अदालत ने 5 आरोपियों को 13 दिन की न्यायिक हिरासत में भेजा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की एक अदालत ने तुर्कमान गेट स्थित फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास हुई पथराव की घटना के सिलसिले में गिरफ्तार किए गए पांच लोगों को बृहस्पतिवार को 13 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इन पांचों आरोपियों - मोहम्मद आरिब, काशिफ, अदनान, मोहम्मद कैफ और समीर - को न्यायिक मजिस्ट्रेट पूजा सुहाग के समक्ष पेश किया गया था।

अदालत ने पांचों आरोपियों को 13 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया। सभी पांचों आरोपियों की जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के लिए शुक्रवार का दिन निर्धारित किया गया है। दिल्ली पुलिस ने बुधवार को चांदनी महल पुलिस थाने में पांचों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की विभिन्न धाराओं के साथ-साथ लोक संपत्ति को नुकसान पहुंचाने से रोकने संबंधी अधिनियम, 1984 के प्रावधानों के तहत प्राथमिकी दर्ज की थी। इस मामले में अब तक कुल 11 गिरफ्तारियां की गई हैं, जिनमें एक नाबालिग की हिरासत भी शामिल है। बृहस्पतिवार को तुर्कमान गेट इलाके के निवासी छह और लोगों - अफान, आदिल, शाहनवाज, हमजा, अतहर और उबैद - को गिरफ्तार किया गया। मंगलवार और बुधवार की दरमियानी रात रामलीला मैदान क्षेत्र में फैज-ए-इलाही मस्जिद के पास अतिक्रमण रोधी अभियान के दौरान हिंसा भड़क गई, जब कई लोगों ने पुलिसकर्मियों पर पथराव किया।

भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए 'सुखद संगम' है 7.4 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बृहस्पतिवार को वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय अर्थव्यवस्था के 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने के अनुमान को देश के लिए 'गोल्डीलॉक्स मोमेंट' यानी सुखद संगम करार देते हुए कहा कि यह रफ्तार 2027 में भी बनी रहने की उम्मीद है।

भाजपा ने कहा कि अर्थव्यवस्था को लेकर यह आशावादी दृष्टिकोण प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सुधारों पर जोर, पारदर्शी शासन और भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन की प्रतिबद्धता का परिणाम है। 'गोल्डीलॉक्स मोमेंट' उस स्थिति को कहा जाता है जिसमें वृद्धि दर मजबूत रहती है, महंगाई नियंत्रण में होती है, ब्याज दरें अनुकूल होती हैं। यानी यह अर्थव्यवस्था के तीन क्षेत्रों के महत्वपूर्ण आंकड़ों के लिहाज ये सुखद संगम है। बुधवार को जारी प्रथम अग्रिम अनुमानों के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान देश की अर्थव्यवस्था के 7.4 प्रतिशत की दर से बढ़ने का अनुमान है।

यह भारतीय रिजर्व बैंक के 7.3 प्रतिशत के अनुमान और सरकार के शुरुआती 6.3-6.8 प्रतिशत के आकलन से अधिक है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के अनुसार, वास्तविक जीडीपी (स्थिर कीमतों पर) 2025-26 में 201.90 लाख करोड़ रुपए रहने का अनुमान है, जबकि 2024-25 में यह 187.97 लाख करोड़ रुपए थी। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गोपाल कृष्ण अग्रवाल ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा कि ये अग्रिम अनुमान दर्शाते हैं कि वैश्विक उथल-पुथल, भू-राजनीतिक तनाव और संरक्षणवाद के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय अर्थव्यवस्था तेजी से आगे बढ़ रही है और दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में अग्रसर है। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में दर्ज की गई वृद्धि का हवाला देते हुए कहा कि 2026 का साल देश की अर्थव्यवस्था के लिए 'गोल्डीलॉक्स मोमेंट' के रूप में उभरा है। उन्होंने कहा, हम 2027 में भी इस आर्थिक गति के बने रहने की उम्मीद करते हैं, क्योंकि प्रधानमंत्री मोदी निरंतर सुधारों, प्रशासनिक सुधारों, भ्रष्टाचार के पूर्ण उन्मूलन और शासन में पारदर्शिता के लिए प्रतिबद्ध हैं। इससे पहले वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत रही थी। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि महंगाई नियंत्रण में है, राजकोषीय घाटा लक्षित स्तर के भीतर बना हुआ है और प्रत्यक्ष करों में राहत के बावजूद जीएसटी संग्रह लगातार बढ़ रहा है। दिसंबर में जीएसटी संग्रह 1.77 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया।

जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री ने ई-पाठशाला का उद्घाटन किया

जम्मू/भाषा। जम्मू कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने बृहस्पतिवार को स्कूल शिक्षा विभाग की ई-पाठशाला पहल का उद्घाटन करते हुए कहा कि 'डिजिटल' मंच का उद्देश्य कक्षा शिक्षण का पूरक बनना है। केंद्र शासित प्रदेश में घर बैठे शिक्षा प्राप्त करने के लिए ई-पाठशाला चैनल डीटीएच चैनल 53 पर उपलब्ध होगा। मुख्यमंत्री ने समग्र शिक्षा योजना के तहत नए छात्रावास भवनों और अन्य विकास परियोजनाओं का भी उद्घाटन किया।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अब्दुल्ला ने कहा कि यह पहल डिजिटल शिक्षण संसाधनों के विस्तार की दिशा में एक शुरुआत है, जिसका दीर्घकालिक लक्ष्य प्रत्येक कक्षा के लिए एक समर्पित चैनल बनाना है। उन्होंने कहा, ''यह तो बस एक छोटा सा कदम है। हमारा इरादा यह होना चाहिए कि हर कक्षा का अपना चैनल हो। धीरे-धीरे हम इन चैनलों का विस्तार करेंगे और हर कक्षा के लिए एक अलग चैनल होगा।'' उन्होंने यह स्पष्ट किया कि ई-पाठशाला और डिजिटल चैनलों की शुरुआत को शिक्षकों की भूमिका को कमतर करने के प्रयास के रूप में नहीं लिया जाना चाहिए। अच्छे शिक्षक की परिवर्तनकारी भूमिका पर प्रकाश डालते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, ''एक अच्छा शिक्षक सबसे कमजोर छात्रों को भी ऊंचाइयों तक ले जा सकता है।''

'जन नायकन' प्रमाणन विवाद : कांग्रेस ने केंद्र को ठहराया जिम्मेदार, भाजपा ने आरोपों का खंडन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अभिनय से राजनीति में आए विजय की फिल्म ''जन नायकन'' के सेंसर बोर्ड प्रमाणन के मुद्दे को लेकर तमिलनाडु की राजनीति में आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। कांग्रेस नेताओं ने बृहस्पतिवार को जहां अभिनेता का पक्ष लेते हुए केंद्र को जिम्मेदार ठहराया, वहीं भाजपा ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। कांग्रेस नेता प्रवीण चक्रवर्ती और लोकसभा सदस्य एस जोतिमणि ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की वजह से सीबीएफसी ने बहुभाषी फिल्म 'जन नायकन' को मंजूरी नहीं दी जिसे तय कार्यक्रम के तहत नौ जनवरी को प्रदर्शित किया जाना था।

निर्माता ने इस मामले को लेकर मद्रास उच्च न्यायालय का रुख किया है। इसे विजय की आखिरी फिल्म बताया जा रहा है। इसका निर्माण करने वाले केवीएन प्रोडक्शंस ने घोषणा की है कि वह भारी मन से फिल्म जन नायकन' के प्रदर्शन को टाल रहा है क्योंकि इन परिस्थितियों पर उनका कोई नियंत्रण नहीं है। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण राज्य मंत्री एल मुरुगन ने प्रमाणन विवाद में केंद्र की भूमिका होने से इनकार किया।

उन्होंने कांग्रेस के आरोपों पर कोयंबटूर में संवाददाताओं से कहा, ''हम उन पर (विजय पर) दबाव क्यों डालेंगे?'' तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली में राज्य के नगर प्रशासन मंत्री केएन नेहरू ने कहा कि केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) केंद्र सरकार के अधीन कार्य करता है। उन्होंने कहा, ''फिल्म प्रमाणन से हमारा क्या लेना-देना है?''

नेहरू से जब कांग्रेस नेताओं द्वारा अभिनेता को समर्थन देने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा, ''मुझे नहीं पता कि वे ऐसा क्यों कह रहे हैं।'' ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस और डेटा एनालिटिक्स के अध्यक्ष चक्रवर्ती ने कहा, नौ साल पहले राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री (नरेन्द्र) मोदी को चेतावनी दी थी कि तमिल सिनेमा को दबाकर तमिल संस्कृति और गौरव का अपमान न करें। उन्होंने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''लेकिन नरेन्द्र मोदी ने जानबूझकर जन नायकन' का सीबीएफसी प्रमाणन रोककर और उसके प्रदर्शन को बाधित कर तमिल लोगों का फिर से अपमान किया है।'' चक्रवर्ती ने अपने बयान के समर्थन में कांग्रेस नेता राहुल गांधी के प्रधानमंत्री मोदी को संबोधित उस वक्तव्य का हवाला दिया, जिसमें उन्होंने कहा था कि सिनेमा तमिल संस्कृति और भाषा की गहरी अभिव्यक्ति है और विजय की फिल्म 'मर्सल' में हस्तक्षेप करके तमिल गौरव को बदनाम करने की कोशिश न करें। 'मर्सल' फिल्म जीएसटी के कथित नकारात्मक संदर्भों पर भाजपा की आपत्ति के कारण विवादों में घिर गई थी।

करूर से कांग्रेस सांसद जोतिमणि ने कहा कि फिल्म को प्रमाणपत्र देने से इनकार करना तमिल फिल्म उद्योग पर 'हमला' है। उन्होंने कहा कि अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता में विश्वास रखने वाले हर व्यक्ति को, चाहे उनकी राजनीतिक संबद्धता और पसंद-नापसंद कुछ भी हो, इसकी निंदा करनी चाहिए। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''एक फिल्म सैकड़ों लोगों की कड़ी मेहनत और करोड़ों रुपये के निवेश से बनती है। इस तरह इसे रोकना रचनात्मक स्वतंत्रता के बिल्कुल खिलाफ है। राजनीतिक कारणों से इसे रोकना तो और भी खतरनाक है।''

उन्होंने आरोप लगाया कि प्रवर्तन निदेशालय, केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो और आयकर विभाग के साथ सेंसर बोर्ड (सीबीएफसी) मोदी सरकार का एक ''राजनीतिक हथियार'' बन गया है। उन्होंने कहा, ''हम चुपचाप खड़े होकर यह सब नहीं देख सकते।'' इसी बीच, अन्नाद्रमुक के नेता एस के राजू ने मदुरै में संवाददाताओं से कहा कि ''हर चीज के लिए केंद्र को दोष देना उचित नहीं है। उन्होंने सवाल किया, यह (केंद्र पर निशाना साधना) राजनीतिक रूप से प्रेरित है। केंद्र एक फिल्म के लिए क्यों परेशानी खड़ी करने की कोशिश करेगा?''

पूर्व राज्यपाल और भाजपा नेता डॉ. तमिलिसाई सैंदर्यराजन ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के नेता केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को दोषी ठहराकर जनता को गुमराह कर रहे हैं। उन्होंने कहा, ''कल अदालत में स्पष्ट रूप से यह बात कही गई कि इस सेंसर प्रमाणपत्र का केंद्र सरकार से कोई लेना-देना नहीं है। आपातकाल के दौरान अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का गला घोंटने वाली कांग्रेस आज 'जन नायकन' के लिए आवाज उठा रही है।'' भाजपा की तमिलनाडु इकाई के मुख्य प्रवक्ता नारायणन तिरुपति ने कहा कि कोई भी सीबीएफसी को प्रभावित नहीं कर सकता। उन्होंने कहा, ''बोर्ड का सदस्य होने के नाते, मैं यह बात बहुत अच्छी तरह जानता हूं, और सब कुछ पूरी तरह पारदर्शी है। मामला अदालत में भी गया है, और अदालत ने सुनवाई की है।''

नारायणन ने कहा, ''जोतिमणि की बात करें तो हम सब जानते हैं कि उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष के. सेल्वपेरुंथगई और कांग्रेस पार्टी के खिलाफ ट्वीट किया था। कांग्रेस के भीतर स्पष्ट रूप से एक बड़ा संघर्ष चल रहा है।'' राज्य में सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के प्रवक्ता टी के एस इलनगोवन ने कहा कि भाजपा किसी भी स्वतंत्र निकाय को प्रभावित करने में सक्षम है। उन्होंने कहा, ''पहले भी ऐसी घटनाएं हो चुकी हैं। अब भाजपा विजय पर दबाव डालने के लिए सीबीएफसी को प्रभावित कर रही है।''

कांग्रेस में तमिलनाडु मामलों के प्रभारी गिरीश चोडनकर ने कहा कि अभिनेता विजय की नवीनतम फिल्म को लेकर उठे विवाद ने राजनीतिक सत्ता के दुरुपयोग को लेकर चिंताएं बढ़ा दी हैं। उन्होंने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि राजनीतिक मतभेद समझ में आते हैं, लेकिन किसी कलाकार के काम को निशाना बनाना अस्वीकार्य है। चोडनकर ने कहा, ''मोदी जी, अभिनेता विजय से नहीं, बल्कि नेता विजय से मुकाबला करके अपने 56 इंच के सीने वाले दावे को साबित कीजिए। याद रखिए, आपकी धमकी भरी राजनीति तमिलनाडु में काम नहीं आएगी।''

अन्नाद्रमुक ने आरोपों का खंडन किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। कांग्रेस नेता प्रवीण चक्रवर्ती और एस ज्योतिमणि ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की वजह से सीबीएफसी ने अभिनय से राजनीति में आए विजय की बहुभाषी फिल्म 'जन नायकन' को मंजूरी नहीं दी जिसे तय कार्यक्रम के तहत नौ जनवरी को प्रदर्शित किया जाना था। हालांकि केंद्र में सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सहयोगी ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक)के पूर्व मंत्री सेल्वूर के राजू ने दावा किया कि इसमें केंद्र सरकार की कोई भूमिका नहीं है क्योंकि किसी भी फिल्म के प्रमाणन का कार्य सिर्फ केंद्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड (सीबीएफसी) करता है।

निर्माता ने इस मामले को लेकर मद्रास उच्च न्यायालय का रुख किया है। विजय की कथित आखिरी फिल्म का निर्माण करने वाले केवीएन प्रोडक्शंस ने घोषणा की है कि वह भारी मन से फिल्म 'जन नायकन' के प्रदर्शन को टाल रही है क्योंकि इन परिस्थितियों पर उनका कोई नियंत्रण नहीं है। ऑल इंडिया प्रोफेशनल्स कांग्रेस और डेटा एनालिटिक्स के अध्यक्ष चक्रवर्ती ने कहा, नौ साल पहले राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री (नरेन्द्र)मोदी को चेतावनी दी थी कि तमिल सिनेमा को दबाकर तमिल संस्कृति और गौरव का अपमान न करें।

मुख्यमंत्री ने राशन कार्डधारकों के लिए 3,000 रुपए के नकद उपहार की योजना शुरू की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने बृहस्पतिवार को चावल श्रेणी के राशन कार्डधारकों को 3,000 रुपये का पोंगल नकद उपहार और एक विशेष पैकेज वितरित किया। इसके साथ ही राज्य भर की उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से नकद और उपहारों का वितरण एक साथ किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इस पहल का उद्देश्य लोगों को जनवरी के मध्य में मनाए जाने वाले फसल उत्सव (पोंगल) को धूमधाम से मनाने में सक्षम बनाना है।

मुख्यमंत्री ने स्वयं अलंदूर स्थित एक खाद्य आपूर्ति केंद्र पर कुछ लाभार्थियों को 3,000 रुपये नकद, एक किलो कच्चा चावल, एक किलो चीनी, एक गन्ना, एक धोती और एक साड़ी सौंपी। पोंगल उपहार पैकेज में 2.22 करोड़ चावल श्रेणी के राशन कार्डधारकों के साथ-साथ राज्य में श्रीलंकाई पुनर्वास शिविरों में रह रहे परिवार भी शामिल हैं।

राज्य सरकार ने नकद वितरण के लिए विशेष रूप से 6,936 करोड़ रुपये आवंटित किए थे। इसके अतिरिक्त, वस्तुओं की खरीद और वितरण के लिए 248.66 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। राज्य के खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग ने उचित मूल्य की दुकानों के माध्यम से वितरण समय निर्दिष्ट करते हुए टोकन वितरित किए थे, जो आज (बृहस्पतिवार) से शुरू हो गए।

पलानीस्वामी ने शाह से मुलाकात कर तमिलनाडु की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दिल्ली/चेन्नई। ऑल इंडिया अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) के महासचिव एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्होंने नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात कर तमिलनाडु की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की। पलानीस्वामी ने कहा कि उनकी मुलाकात में गठबंधन से संबंधित कोई बात नहीं हुई।

अन्नाद्रमुक के शीर्ष नेता ने पार्टी से निष्कासित नेताओं वीके शशिकला और ओ. पन्नीरसेल्वम को वापस लेने की किसी भी संभावना को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया। उन्होंने कहा कि वह फिलहाल इस साल मार्च-अप्रैल में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) को मजबूत करने के प्रयासों में लगे हुए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि रविवार को तमिलनाडु के पुदुक्कोट्टई दौरे के दौरान शाह से मुलाकात न हो पाने के कारण वह सात जनवरी की रात को उनके (शाह के) आवास पर उनसे मिलने गए थे। उन्होंने नई दिल्ली हवाई अड्डे पर पत्रकारों से कहा, सेलम और कल्लकुरुची में मेरे पहले से ही कुछ कार्यक्रम तय थे इसलिए मैं उनसे (शाह से) मिल नहीं सका। इसलिए मैं दिल्ली आकर उनसे मिला। पलानीस्वामी और शाह की मुलाकात उसी दिन हुई, जब तमिलनाडु में पीएमके का डॉ. अंबुमणि रामदास गुट अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले राजग में शामिल हो गया। अन्नाद्रमुक नेता ने कहा था कि आने वाले महीनों में अन्य पार्टियां भी राजग में शामिल होंगी। भाजपा इस गठबंधन का दूसरा घटक दल है। पलानीस्वामी ने जोर देकर कहा कि शाह के साथ मुलाकात के दौरान दोनों नेताओं ने तमिलनाडु की मौजूदा राजनीतिक स्थिति पर चर्चा की, न कि गठबंधन या सीट बंटवारे पर। अमित शाह द्वारा अन्नाद्रमुक के आंतरिक मामलों में दखल नहीं देने के बयान पर पलानीस्वामी ने इस बात पर हैरानी जताई कि मीडिया निष्कासित नेताओं को वापस लेने का मुद्दा क्यों उठा रहा है जबकि उन्होंने कई बार स्पष्ट कर दिया है कि शशिकला और पन्नीरसेल्वम का उनके नेतृत्व वाली पार्टी में कोई स्थान नहीं है। पलानीस्वामी ने कहा, छोड़िए इसे। आप इस पर इतना जोर क्यों दे रहे हैं?

रेल मंत्रालय ने केरल में और अधिक ट्रेन ठहराव स्थल को मंजूरी दी : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। रेल मंत्रालय ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की केरल इकाई के अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर के अनुरोध पर केरल में 15 से अधिक ट्रेनों के लिए अतिरिक्त ठहराव को मंजूरी दे दी है। पार्टी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी।

भाजपा ने एक बयान में कहा कि दक्षिणी केरल के धनुवाचपुरम और बलरामपुरम गांवों से लेकर राज्य के उत्तरी भाग में स्थित वडाकारा और कन्नूर तक अतिरिक्त ठहराव को मंजूरी दी गई है।

पार्टी ने केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा चंद्रशेखर को भेजा गया एक पत्र भी साझा किया। पार्टी ने कहा कि पिछले साल दिसंबर में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष द्वारा जनता की सुविधा के लिए केरल में अधिक ट्रेन ठहराव स्थल के अनुरोध को मंजूरी दे दी गई है। मंत्री ने चंद्रशेखर को लिखे अपने पत्र में कहा है, ''आपको यह जानकर खुशी होगी कि केरल राज्य में विभिन्न ट्रेन ठहराव स्थल को मंजूरी दे दी गई है, जिसे अनुलग्नक के रूप में संलग्न किया गया है।''

बैठक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

गुरुवार को बेंगलूरु के एक पंचतारा होटल में कांग्रेस अध्यक्ष एवं उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार, मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या और अन्य मंत्रियों और वरिष्ठ नेताओं केन्द्र द्वारा 'मनरेगा' योजना का नाम बदलने का विरोध करने के लिए एक बैठक का आयोजन किया। बैठक में 'सेव नरेगा' के लिए सामूहिक आंदोलन चलाने की बात पर चर्चा की गई। बैठक में मंत्री एचकेपाटिल, केएच मुनियप्पा, डॉ. परमेश्वर, केजे जॉर्ज, प्रियंक खरगे, आईसीसी सचिव अभिषेक दत्त, मयूर, जयकुमार सहित अनेक वरिष्ठ जन उपस्थित थे।

कर्नाटक सरकार ने नेशनल हेराल्ड के माध्यम से गांधी परिवार को दी रिश्वत : प्रहलाद जोशी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार ने सरकारी विज्ञापनों के माध्यम से नेशनल हेराल्ड अखबार को करदाताओं का पैसा देकर नेहरू-गांधी परिवार को 'रिश्वत' दी।

केंद्रीय उपभोक्ता मामलों, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री जोशी ने यहां पत्रकारों से कहा, कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने देश के किसी भी स्थापित समाचार पत्र या पत्रिका की तुलना में नेशनल हेराल्ड अखबार को कहीं अधिक विज्ञापन राजस्व दिया है। यह अपने आप में एक घोटाला है। उन्होंने कहा, ''इस अखबार के तथाकथित मालिक सोनिया गांधी और राहुल गांधी इस घोटाले के सिलसिले में जमानत पर बाहर हैं। इसके बावजूद कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने 2023-24 में दो करोड़ रुपये और 2024-25 में एक करोड़ रुपये दिए। हमें नहीं पता कि उन्होंने इस साल कितना दिया।''

उन्होंने दावा किया कि जमानत पर छूटे लोगों को पैसा दिया गया है। केंद्रीय मंत्री ने कहा, इसका मतलब है कि घोटालों में फंसे जो लोग जमानत पर हैं, उनके लिए कर्नाटक सरकार इतनी बड़ी रकम चुका रही है। इसका मतलब है कि यह एक तरह से 'नकली गांधी परिवार' को रिश्वत देना है। जोशी ने कहा, कांग्रेस झूठ बोल रही है कि वीबी-जी-राम-जी योजना ग्रामीण रोजगार छीन लेगी। यह केंद्र प्रायोजित योजना है। वीबी-जी-राम-जी संसद द्वारा पारित एक कानून है। इसलिए, यह कहना निराधार है कि इससे रोजगार छिन जाएगा। हम 120 दिनों का रोजगार देने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि गांवों में गारंटीशुदा नौकरियां छीने जाने के कांग्रेस के आरोप का कोई आधार नहीं है और दावा किया कि पिछली संयुक्त प्रगतिशीत गठबंधन (संप्रग) सरकार के रोजगार गारंटी कार्यक्रम में व्यापक भ्रष्टाचार' था। संसद के शीतकालीन सत्र में भारत-रोजगार और आजीविका मिशन (ग्रामीण) (वीबी-जी रामजी) विधेयक पारित किया गया था जिसने मनरेगा का स्थान लिया है।

आईयूएमएल और जमात-ए-इस्लामी कर रही है धर्म की 'खतरनाक राजनीति' : केरल प्रदेश भाजपा अध्यक्ष

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुवनंतपुरम/भाषा। संयुक्त लोकतांत्रिक मोर्चा (यूडीएफ) के घटक दलों-- इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) और जमात-ए-इस्लामी पर केरल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को हराने के लिए धर्म के इस्तेमाल की 'खतरनाक राजनीति' करने का आरोप लगाते हुए प्रदेश भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी पार्टी का एकमात्र लक्ष्य राज्य में विकास लाना है। चंद्रशेखर ने यहां प्रेसवार्ता कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह आगामी विधानसभा चुनाव के लिए भाजपा के प्रचार अभियान की शुरुआत करने के लिए 11 जनवरी को केरल का दौरा करेंगे। उन्होंने आरोप लगाया कि इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और जमात-ए-इस्लामी दोनों की ही युवाओं के विकास या रोजगार के अवसरों में कोई दिलचस्पी नहीं है, बल्कि उनका पूरा ध्यान भाजपा को हराने पर है।

चंद्रशेखर ने कहा, ''इसलिए, हमें उस राजनीति पर चर्चा करने की आवश्यकता है जिसमें धर्म का इस्तेमाल उस पार्टी को हराने के लिए किया जा रहा है जो राज्य में विकास लाना चाहती है। हमें यह जानने की आवश्यकता है कि इससे किसे फायदा हो रहा है और धर्मनिरपेक्षता के नाम पर इस खतरनाक राजनीति के पीछे कौन है। हमारी राजनीति विकास की है।'' उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस जमात-ए-इस्लामी द्वारा नियंत्रित एक 'कमजोर पार्टी' है। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले इन मुद्दों को उठाया जाएगा और जनता के ध्यान में लाया जाएगा।

कुछ धार्मिक समुदायों के सदस्यों के साथ भाजपा की मुलाकातों के बारे में पूछे जाने चंद्रशेखर ने कहा,हम मलयाली समुदाय तक पहुंचने और विकसित केरल तक पहुंचने पर ध्यान केंद्रित कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा जनता से राज्य में यूडीएफ, (सत्तारूढ़) वाम लोकतांत्रिक मोर्चा (एलडीएफ) और जमात-ए-इस्लामी की विकास-विरोधी ताकतों' को हराने की अपील करेगी। जब प्रदेश भाजपा अध्यक्ष से श्री नारायण धर्म परिपालना (एसएनडीपी) योगम के महासचिव वेल्लापल्ली नटेसन के इस बयान कि उनके समुदाय के सदस्यों के लिए अवसरों की कमी है, के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा कि इन चिंताओं पर चर्चा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि हाल के नगर निकाय चुनाव के परिणाम भाजपा के लिए एक महत्वपूर्ण लाभ है और वे राज्य में राजनीतिक बदलावों का संकेत देते हैं।

माकपा नेता की हत्या मामले में भाजपा-आरएसएस के सात कार्यकर्ताओं को उम्रकैद

कन्नूर/भाषा। केरल के कन्नूर जिला स्थित तलश्शेरी की अदालत ने 2008 में मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी (मकापा) के एक स्थानीय नेता की हत्या के मामले में बृहस्पतिवार को आरएसएस-भाजपा के सात कार्यकर्ताओं को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायालय के न्यायाधीश विमल जे. ने सुमित उर्फ कुट्टन, केके प्रजेश बाबू, बी. निधिन, के. सनल, स्मिजोश, सजीश और वी. जयेश को दोषी पाया। अदालत ने मामले में आरोपी संतोष कुमार, बी. सरथ, ई के सनीश और कुन्नुमप्रथ अजेश को आरोप मुक्त कर दिया, जबकि आठवें आरोपी के. अजित की मुकदमे के दौरान मृत्यु हो गई थी।

अदालत ने अभियुक्तों, उनके वकीलों और अभियोजन पक्ष की दलीलें सुनने के बाद में दोपहर में सात दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई। यह मामला माकपा के स्थानीय नेता लतीश की 31 दिसंबर, 2008 को तलश्शेरी के पास थलाई में बेरहमी से हुई हत्या से संबंधित है। राजनीतिक रंजिश की वजह से किये गए हमले में लतीश का एक दोस्त घायल भी हो गया था।

बीएचईएल ने 'वंदे भारत स्लीपर' ट्रेन के लिए सामान की आपूर्ति की शुरू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु/नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की इंजीनियरिंग कंपनी बीएचईएल ने 'वंदे भारत स्लीपर' ट्रेन के लिए 'सेमी-हाई-स्पीड अंडरस्लंग ट्रैक्शन कन्वर्टर' की आपूर्ति शुरू कर दी है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को कहा कि ट्रेन की 'असेंबल' प्रक्रिया को अंतिम रूप देने के लिए ट्रैक्शन कन्वर्टर' कोलकाता भेजे जा रहे हैं।

'अंडरस्लंग ट्रैक्शन कन्वर्टर' एक प्रकार का उपकरण है जिसका उपयोग रेलवे इंजनों या 'इलेक्ट्रिक मल्टीपल यूनिट' ट्रेन में कर्षण प्रणाली के हिस्से के रूप में किया जाता है। इस संबंध में, गुरुवार को बीएचईएल के बेंगलूरु प्लांट में एक फ्लैग-ऑफ समारोह आयोजित किया गया। इस अवसर पर, सुश्री बानी वर्मा, निदेशक (औद्योगिक प्रणाली और उत्पाद), बीएचईएल ने अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में, वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों के लिए विशेष रूप से डिजाइन किए गए सेमी-हाई-स्पीड अंडरस्लंग ट्रैक्शन कन्वर्टर्स के प्रथम सेट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। एस एम रामनाथन, निदेशक (इंजीनियरिंग, अनुसंधान एवं विकास), बीएचईएल और उमेश चौधरी, उपाध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, टीआरएसएल ने वर्चुअल माध्यम से इस समारोह में भाग लिया। उल्लेखनीय है कि यह सेमी-हाई-स्पीड प्रोपल्शन सेगमेंट में बीएचईएल के रणनीतिक प्रवेश को दर्शाता है। ट्रैक्शन कन्वर्टर्स को वंदे भारत स्लीपर ट्रेनों की अंतिम असेंबली के लिए कोलकाता भेजा जा रहा है। इसके अतिरिक्त, इन ट्रेनों के लिए ट्रैक्शन मोटर्स और ट्रांसफॉर्मर्स जैसे अन्य प्रमुख प्रोपल्शन उपकरण इसकी भोपाल और झांसी इकाइयों द्वारा विकसित और निर्मित किए गए हैं।

बेलगावी चीनी मिल विस्फोट में मृतकों की संख्या बढ़कर सात हुई

बेलगावी। यहां चीनी मिल में बॉयलर में विस्फोट से मरने वालों की संख्या चार और लोगों की मौत के बाद बढ़कर सात हो गई। पुलिस सूत्रों ने यह जानकारी दी। बेलगावी जिले के मारकुंबी स्थित इनामदार शुगर फैक्ट्री में विस्फोट हुआ था जिसमें शुरुआत में तीन लोगों की मौत हो गई थी। इस हादसे में पांच अन्य लोग घायल हुए थे। पुलिस सूत्रों के अनुसार, विस्फोट में जीवित बचे एकमात्र व्यक्ति की हालत गंभीर बनी हुई है।

राजस्थान में दो साल में कानून-व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार : भजनलाल शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने बृहस्पतिवार को कहा कि पिछले दो साल में राज्य की कानून-व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है और अपराधों की संख्या में कमी आई है। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने में सुदृढ़ कानून-व्यवस्था की निर्णायक भूमिका है। शर्मा ने बृहस्पतिवार को राजस्थान पुलिस अकादमी में 'विकसित भारत में पुलिस व्यवस्था' विषय पर आयोजित एक राज्य स्तरीय पुलिस सम्मेलन को संबोधित करते हुए यह बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले दो साल में राज्य की कानून-व्यवस्था में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। उन्होंने कहा कि इस दौरान वर्ष 2023 के मुकाबले अपराधों की संख्या में 15 प्रतिशत, हत्या के मामलों में 25 प्रतिशत, लूट के मामलों में 50 प्रतिशत की कमी आई है। वहीं, महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराधों में 10 प्रतिशत तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विरुद्ध अत्याचार के मामलों में 28 प्रतिशत की कमी आई है।

आधिकारिक बयान के अनुसार मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलिस प्रशिक्षण के नवाचारों ने राज्य को एक नयी पहचान दिलाई है। उन्होंने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि भारत सरकार के उपक्रम क्षमता विकास आयोग द्वारा राजस्थान पुलिस अकादमी को उत्कृष्ट संस्थान का दर्जा दिया गया है। यह अकादमी सभी राज्यों के पुलिस प्रशिक्षण संस्थानों में उत्कृष्ट संस्थान का दर्जा प्राप्त करने वाली प्रथम अकादमी बनी है।

शर्मा ने पुलिसकर्मियों को इस उपलब्धि के लिए बधाई देते हुए कहा कि इसी समर्पित भाव से राष्ट्र एवं समाज की सेवा करते हुए पुलिसिंग को मजबूत करें और नयी आपराधिक न्याय प्रणाली के क्रियान्वयन में प्रदेश को अग्रणी राज्य बनाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नयी न्याय संहिता में त्वरित न्याय की अवधारणा से लोगों का विश्वास और मजबूत हो रहा है। इन तीनों नए कानूनों के क्रियान्वयन के तहत प्रदेश में चरणबद्ध रूप से सात वर्ष से अधिक सजा वाले मामलों में जांच एफएसएल के माध्यम से कराने के लिए थानों को सुदृढ़ किया जा रहा है। साथ ही प्राथमिकी, ई-प्राथमिकी और आरोप-पत्र के ई-रिकॉर्ड को अद्यतन से लेकर अदालत के निर्णय तक की पूरी प्रक्रिया को ऑनलाइन किया जा रहा है।

शर्मा ने कहा कि संगठित अपराध को रोकने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है तथा इन पर पूरी तरह अंकुश लगाने की दिशा में काम किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि बेहतर कानून व्यवस्था से प्रदेश की अर्थव्यवस्था मजबूत होती है। किसी भी प्रदेश में विकास एवं निवेश सुदृढ़ कानून-व्यवस्था के बिना संभव नहीं है। शर्मा ने कहा कि सामुदायिक पुलिसिंग को बढ़ावा देते हुए पुलिस को रचनात्मक और सकारात्मक दृष्टिकोण वाले व्यक्तियों एवं समूहों से जुड़ने के लिए तंत्र विकसित करना चाहिए।

इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) राजीव कुमार शर्मा ने कहा कि बेहतर पुलिसिंग के लिए समर्पित भाव से काम किए जा रहे हैं। पुलिस को अपने दायित्वों को सार्थक बनाते हुए नवाचार को अपनाना होगा। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में ई-विजिटर्स पोर्टल एवं ई-जीरो एफआईआर की शुरुआत की एवं राजस्थान पुलिस प्राथमिकता-2026 पुस्तिका का विमोचन भी किया।

'मिड-डे मील' योजना में 2000 करोड़ से अधिक का घोटाला, 21 लोगों के खिलाफ मामला दर्ज

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान राज्य में 'मिड डे मील' योजना के अंतर्गत स्कूली विद्यार्थियों को खाद्यान्न उपलब्ध कराने में 2,000 करोड़ रुपये से ज्यादा की कथित गड़बड़ियों और भ्रष्टाचार के आरोप में 'कॉनफैड' और निजी कंपनियों के कई अधिकारियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों के अनुसार, 'मिड डे मील' योजना में 2000 करोड़ रुपये से अधिक का घोटाला उजागर होने के बाद राजस्थान राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ लिमिटेड (कॉनफैड) व निजी फर्मों के 21 लोगों को नामजद करते हुए एसीबी में मामला दर्ज किया गया है।

ब्यूरो द्वारा जारी एक बयान के अनुसार, कोविड-19 वैश्विक महामारी के दौरान विद्यालय बंद रहने की अवधि में राज्य सरकार द्वारा संचालित योजना के अंतर्गत विद्यार्थियों को खाद्यान्न उपलब्ध कराने के लिए 'कॉनफैड' के माध्यम से दाल, तेल, मसाले आदि से युक्त 'कॉम्बो पैक' की आपूर्ति की गई थी। इस सामग्री को एफएसएसएआई एवं एगमार्क मानकों के अनुरूप बताते हुए राज्य के विद्यालयों तक 'डोर-स्टेप डिलीवरी' किए जाने का दावा किया गया था। इस योजना के क्रियान्वयन में भारी अनियमितताओं एवं भ्रष्टाचार की शिकायतें प्राप्त होने पर भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने प्राथमिक जांच दर्ज की। बयान के मुताबिक, मामले की जांच में यह तथ्य सामने आए कि 'मिड डे मील' योजना से जुड़े अधिकारियों एवं 'कॉनफैड' के अधिकारियों ने मिलीभगत कर पूर्वक नियमों में बदलाव किए, जिसके परिणामस्वरूप पात्र एवं योग्य फर्मों को टेंडर प्रक्रिया से बाहर कर दिया गया और अपनी चहेती फर्मों को अनुचित लाभ पहुंचाते हुए निविदा आवंटित की गयीं। बयान में बताया गया कि इन कंपनियों ने फर्जी आपूर्तिकर्ताओं एवं ट्रांसपोर्टरों का एक संगठित नेटवर्क खड़ा किया।

बयान के मुताबिक, जांच में यह भी पाया गया कि कई मामलों में वास्तविक रूप से माल की खरीद एवं आपूर्ति किए बिना ही अधिक दरों के फर्जी बिल प्रस्तुत किए गए और उन्हीं के आधार पर सरकारी भुगतान प्राप्त कर लिया गया। एसीबी ने बताया कि इस प्रकार सुनियोजित धोखाधड़ी से राज्य राजकोष को करीब 2000 करोड़ रुपये का सीधा वित्तीय नुकसान पहुंचा। जांच एजेंसी ने बताया कि मामले में संलिप्तता पाए जाने पर योजना की अवधि के दौरान पदस्थापित निम्नलिखित व्यक्तियों एवं संस्थाओं के विरुद्ध मामला दर्ज किया गया।

महिला कांस्टेबल ने तीन पुलिसकर्मियों समेत चार लोगों के खिलाफ दुष्कर्म के आरोप में मामला दर्ज करवाया

जयपुर। राजस्थान के चुरू जिले में एक महिला कांस्टेबल ने तीन पुलिसकर्मियों समेत चार लोगों के खिलाफ दुष्कर्म के आरोप में मामला दर्ज करवाया है। एक अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारी ने बताया कि महिला कांस्टेबल ने इस बारे में चूरू के जिला पुलिस अधीक्षक को शिकायत दी। इसके बाद बुधवार को चूरू के सिद्धमुख पुलिस थाने में पुलिस उपनिरीक्षक सुभाष, कांस्टेबल रविंद्र और जयवीर व एक अन्य व्यक्ति विक्की के खिलाफ दुष्कर्म का मामला दर्ज किया गया।

सिद्धमुख के थानाधिकारी इमरान खान ने बताया कि महिला कांस्टेबल ने आरोप लगाया है कि कुछ साल पहले जब वह सरदारशहर पुलिस थाने में तैनात थी तब चारों आरोपियों ने उसके साथ दुष्कर्म किया था। इस कथित घटना के समय उपनिरीक्षक सुभाष सरदारशहर के थानाधिकारी थे और दोनों कांस्टेबल भी वहीं तैनात थे। उन्होंने कहा, मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

विश्वविद्यालय का दीक्षांत समारोह विद्यार्थियों के नवजीवन में प्रवेश का आनंदोत्सव : राज्यपाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल एवं कुलाधिपति हरिभाऊ बागड़े ने विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह को विद्यार्थियों के नवजीवन में प्रवेश का एक आनंदोत्सव बताया है। बागड़े ने गोविंद गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बांसवाड़ा के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने दीक्षांत समारोह के लिए सभी को बधाई और शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने इस बात पर खुशी जताई कि स्वर्ण पदक पाने वाले 35 विद्यार्थियों में से 25 छात्राएं हैं। राज्यपाल ने कहा, गरीब, पिछड़े एवं वंचित समाज को मुख्यधारा में लाने का एकमात्र साधन शिक्षा है। हमें अपनी प्राथमिक और माध्यमिक शिक्षा पर विशेष रूप से ध्यान देने की आवश्यकता है क्योंकि यह शिक्षा का मूल है। यह हमारी जिम्मेदारी है कि सबके लिए बेहतर शिक्षा उपलब्ध हो सके।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार राज्यपाल ने कहा कि विकसित भारत के लिए प्रतिभाशाली व्यक्तित्व का निर्माण करने की आवश्यकता है। उन्होंने विश्वविद्यालय के विद्यार्थियों से कहा, पढ़ाई से आपकी बौद्धिक क्षमता का विकास हुआ है, इसे और अधिक विकसित करने की आवश्यकता है। विद्यार्थियों को आजीवन ज्ञान की खोज में जुटे रहना चाहिए। बागड़े ने कहा, सफलता के लिए आत्मविश्वास-आत्मबल की आवश्यकता होती है। इसके लिए निरंतर अभ्यास एवं कठोर परिश्रम की जरूरत है। कठोर परिश्रम से हम जीवन को बेहतर बना सकते हैं। हमें जीवन में परिश्रम का निश्चय करना चाहिए।

राज्यपाल ने कहा, नैतिक आचरण हमारी संस्कृति और परंपरा है। दुनिया में जब कहीं कोई विश्वविद्यालय नहीं था, तब भारत में तक्षशिला व नालंदा जैसे विश्वविद्यालय थे। हमारी ज्ञान परंपरा वहां से चली आ रही है। विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थाओं को भारत का स्वर्णिम गौरव लाने का प्रण करना चाहिए।

अवैध शराब जब्त की

जयपुर। आबकारी आयुक्त शिवप्रसाद नकाते के निर्देशानुसार प्रदेश में अन्य राज्य की शराब की तस्करी, अवैध मदिरा निर्माण, भण्डारण, परिवहन एवं विक्रय पर रोकथाम के जारी विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत कार्रवाई जारी है। आबकारी आयुक्त नकाते के निर्देशानुसार अतिरिक्त आबकारी आयुक्त प्रशासन ओपी जैन एवं अतिरिक्त आबकारी आयुक्त पॉलिसी प्रदीप सिंह सांगावत के सुपरविजन में प्रदेश में विशेष निरोधात्मक अभियान के तहत जीरो टोलरेंस की नीति अपनाते हुए कार्रवाई जारी है। प्रदेश में आबकारी निरोधक दलों द्वारा दबिश, गश्त, नाकाबंदी की कार्रवाई करते हुए अवैध मदिरा बरामद कर नियमानुसार अभियोग दर्ज किए गए। बांसवाड़ा के कुशलगढ़ क्षेत्र में आबकारी निरोधक दल की दबिश कार्रवाई में 2300 लीटर वॉश नष्ट किया एवं अवैध हथकड़ शराब की 111 बोतल सीज की गई।

मौके से 2 अभियुक्तों को गिरफ्तार कर नियमानुसार अभियोग दर्ज किए। धौलपुर के बाड़ी क्षेत्र में गश्त के दौरान अवैध शराब में लिप्त एक मोटरसाईकल एवं एक स्कूटी को जब्त किया साथ ही एक डीप फ्रीज में अवैध मदिरा बरामद की। मौके से 2 अभियुक्त को गिरफ्तार कर अभियोग दर्ज किए। चूरू जिले में गश्त व दबिश की कार्रवाई के तहत 141 पव्वे देशी मदिरा, 17 लीटर हथकड़ शराब जब्त की साथ ही 370 लीटर वॉश नष्ट किया गया। जयपुर जिले में जयपुर ग्रामीण आबकारी टीम द्वारा कार्रवाई कर 30 लीटर हथकड़ शराब जब्त की साथ ही 2700 लीटर वॉश एवं 3 भट्टियां भी नष्ट की गई। कार्रवाई में मौके पर शराब बनाने के उपकरण भी नष्ट किए।

पतंग उड़ाने के लिए केवल सुरक्षित एवं वैकल्पिक सूती धागों का ही उपयोग करें : कुमावत

जयपुर। मकर संक्रांति के अवसर पर पतंगबाजी के दौरान आमजन एवं पशु-पक्षियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा नायलॉन/सिंथेटिक सामग्री से बने चाइनीज मांझे तथा कांच अथवा लोहे के चूर्ण से लेपित घातक धागों के विक्रय, भंडारण एवं उपयोग पर पूर्ण प्रतिबंध के आदेश जारी किए गए हैं।

पशुपालन एवं गोपालन मंत्री जोराराम कुमावत ने प्रदेशवासियों को मकर संक्रांति की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि मकर संक्रांति हमारा पारंपरिक पर्व है, लेकिन हमारी खुशी किसी बेजुबान पक्षी की चोट या मृत्यु का कारण नहीं बननी चाहिए। चाइनीज मांझे से होने वाली दुर्घटनाओं एवं पशु-पक्षियों की दर्दनाक मृत्यु किसी भी स्थिति में स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने आमजन से अपील है कि पतंग उड़ाने के लिए केवल सुरक्षित एवं वैकल्पिक सूती धागों का ही उपयोग करें तथा सुबह-शाम के समय, जब पक्षियों की आवाजाही अधिक होती है, पतंगबाजी से परहेज करें। पशुपालन विभाग के शासन सचिव डॉ. समित शर्मा ने बताया कि इस संबंध में एनजीटी के आदेशों के अनुरूप सभी जिला कलेक्टरों एवं पुलिस विभाग को प्रतिबंध आदेशों का सख्ती से पालन सुनिश्चित कराने तथा उल्लंघनकर्ताओं के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

राजस्थान के अनेक इलाकों में शीतलहर, घना कोहरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कई इलाकों में शीतलहर जारी है और बृहस्पतिवार सुबह भी घना कोहरा छाया रहा। हालांकि राजधानी जयपुर में दो दिन बाद धूप निकलने से लोगों को थोड़ी राहत मिली। मौसम केंद्र जयपुर ने बृहस्पतिवार सुबह बताया कि बीते चौबीस घंटे में राज्य में अनेक जगह घने से अति घना कोहरा छाया रहा। राज्य के अनेक इलाकों में लगातार शीतलहर व अति शीत दिवस दर्ज किया गया है। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) के अनुसार, शीत दिवस तब घोषित किया जाता है जब अधिकतम तापमान सामान्य से 4.5 से 6.4 डिग्री सेल्सियस कम रहता है।

बीते चौबीस घंटे में न्यूनतम तापमान सीकर में 2.5 डिग्री, जैसलमेर में 3.3 डिग्री, माउंट आबू में 4.6 डिग्री, झुंझुनू में 4.7 डिग्री, सिरोही में 4.9 डिग्री, चूरू में 5.2 डिग्री, फतेहपुर में 5.5 डिग्री व गंगानगर में 5.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। राजधानी जयपुर में इस दौरान अधिकतम व न्यूनतम तापमान क्रमश: 17.6 डिग्री व 4.4 डिग्री सेल्सियस रहा। हालांकि राजधानी व आसपास के इलाकों में बृहस्पतिवार सुबह दो दिन बाद धूप खिली जिससे लोगों को थोड़ी राहत रही।

मौसम विभाग के अनुसार राज्य में आगामी एक सप्ताह मौसम शुष्क रहने तथा आगामी कुछ दिन कुछ भागों में सुबह के समय घना/अतिघना कोहरा व शीत दिन दर्ज होने की संभावना है। पूर्वी राजस्थान में कहीं-कहीं अतिशीत दिन रहेगा। न्यूनतम तापमान में और गिरावट आ सकती है।

भूपेंद्र यादव, अभिनेता रणदीप हुड्डा ने 'टाइगर मैराथन' से पहले पदक का अनावरण किया

जयपुर। केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव और अभिनेता रणदीप हुड्डा ने आठ फरवरी को अलवर में आयोजित होने वाली 'इंटरनेशनल टाइगर मैराथन' के लिए बुधवार को मेडल और टी-शर्ट जारी किए। यादव ने कहा कि मैराथन का उद्देश्य बाघ संरक्षण और पर्यावरण सुरक्षा के प्रति जागरूकता फैलाना है। मंत्री के अनुसार, इसमें बड़ी संख्या में विदेशी मेहमानों के साथ-साथ युवाओं, बच्चों और वरिष्ठ नागरिकों सहित 25,000 से अधिक लोगों के भाग लेने की उम्मीद है। हुड्डा ने कहा कि यह गर्व का विषय है कि अलवर बाघ संरक्षण को समर्पित दुनिया की पहली मैराथन की मेजबानी कर रहा है। उन्होंने कहा, सरिस्का एनसीआर क्षेत्र का एकमात्र बाघ अभयारण्य है और यह आयोजन फिटनेस और वन्यजीव संरक्षण दोनों को बढ़ावा देगा। अभिनेता ने कहा कि दक्षिण अफ्रीका, केन्या और इथियोपिया जैसे देशों के धावक इसमें हिस्सा लेंगे, जिससे अलवर अंतरराष्ट्रीय खेल मानचित्र पर आएगा।

जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर लागू हुई हवाई अड्डा कतार प्रबंधन प्रणाली

जयपुर। जयपुर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर यात्रियों की बढ़ती भीड़ को नियंत्रित करने के लिए कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) से संचालित हवाई अड्डा कतार प्रबंधन प्रणाली को बुधवार से लागू कर दिया गया। हवाई अड्डा प्रबंधन ने एक विज्ञप्ति में यह जानकारी दी। हवाई अड्डा प्रबंधन के अनुसार, यह व्यवस्था हवाई अड्डे के दोनों टर्मिनल पर लागू की गई है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि यह अत्याधुनिक प्रणाली विश्लेषण के माध्यम से हवाई अड्डे के विभिन्न हिस्सों में यात्रियों की संख्या और उनकी गतिविधियों पर लगातार नजर रखती है और इसकी खास बात यह है कि टर्मिनल के अलग-अलग जगहों जैसे प्रवेश द्वार, सुरक्षा जांच बिंदु, प्रवेश-पंजीकरण काउंटर आदि पर मौजूद यात्रियों की भीड़ की सही जानकारी उपलब्ध कराती है। इसके मुताबिक, जब किसी क्षेत्र में यात्रियों की संख्या तय सीमा से अधिक हो जाती है, तो यह प्रणाली सहायता केंद्र और ग्राहक सहायता अधिकारी को तत्काल अलर्ट कर भेजती है। हवाई अड्डा प्रबंधन के अनुसार, हवाई अड्डा कतार प्रबंधन प्रणाली खासतौर पर अति व्यस्त समय के दौरान उपयोगी साबित होगी।

जयपुर हवाई अड्डे से करोड़ों के जेवरात जब्त

जयपुर। राज्य वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) की प्रवर्तन शाखा ने जयपुर हवाई अड्डे से भारी मात्रा में आभूषण जब्त किए हैं। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। विभाग की ओर से जारी विज्ञप्ति के अनुसार, राज्य जीएसटी प्रवर्तन टीम ने छह जनवरी को यह कार्रवाई की। इसमें कहा गया है कि सूचना मिली थी कि कोलकाता से जयपुर तक हवाई कार्गो के माध्यम से वैध दस्तावेजों के बिना अवैध रूप से बुलियन, प्राकृतिक हीरे, सोना और हीरे के आभूषणों का परिवहन और व्यापार किया जा रहा है। विज्ञप्ति में कहा गया है कि टीम ने इसमें शामिल अंतरराज्यीय नेटवर्क का पता लगाने के लिए कई दिनों तक निगरानी रखी और एक कार्य योजना तैयार की। विज्ञप्ति के मुताबिक, जब घरेलू हवाई अड्डे से कोरियर के माध्यम से सोने और हीरे के आभूषणों से भरे पार्सल भेजे गए, तो प्रवर्तन टीम ने उन्हें रोककर अवैध खेप को जब्त कर लिया।

ग्राम्य उत्थान के लिए शिक्षा एवं जागरुकता सर्वोपरि : बागड़े

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने गुरुवार को बांसवाड़ा यात्रा के दौरान गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय बांसवाड़ा द्वारा विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व के चतुर्थ चरण के अन्तर्गत गोद लिये ग्राम कटियोर के राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित संवाद कार्यक्रम में शिरकत की और ग्रामीणों व स्कूल के बच्चों से संवाद किया।

राज्यपाल ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कायम करते हुए ग्राम्य जनजीवन, ग्रामीणों के उत्थान के लिए हो रहे प्रयासों, बुनियादी सुविधाओं और सेवाओं तथा रहन-सहन एवं परिवेशीय पहलुओं पर आत्मीय चर्चा की। उन्होंने स्वस्थ, शिक्षित एवं सशक्त ग्राम्य शक्ति को राष्ट्रीय मजबूती का मूलाधार बताते हुए ग्रामीणों से इस दिशा में शिक्षा एवं जागरुकता के साथ आगे आने का आह्वान किया और कहा है कि विकसित ग्रामों से ही विकसित भारत की संकल्पना मजबूती से आगे बढ़ेगी। राज्यपाल बागड़े ने ग्रामीणों से जीवन को आनन्दमयी एवं सुख-समृद्धिवान बनाने के लिए शिक्षा पर सर्वाधिक जोर दिया और कहा कि इसके लिए अपने परिवार को शिक्षित बनाने पर सर्वोपरि ध्यान केन्द्रित करें। राज्यपाल ने कहा कि गरीबी और पिछड़ापन से मुक्ति के लिए शिक्षा सशक्त माध्यम है। इसे जानकर केन्द्र व राज्य सरकार शिक्षा व स्वास्थ्य के क्षेत्र में बेहतर कार्य कर रही है, उसका पूरा-पूरा लाभ लेते हुए सम्पूर्ण शिक्षित समाज और क्षेत्र बनाएं और सामाजिक एवं आर्थिक उत्थान में अपनी सहभागिता अच्छी तरह सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ग्रामीणों के उत्थान व बहुआयामी विकास के लिए व्यापक पैमाने पर लाभकारी योजनाओं का संचालन कर रही है, इनका लाभ लेने के लिए जागरुकता के साथ पहल करें और पारिवारिक उन्नति पाएं। पशुपालन और डेयरी को ग्राम्य समृद्धि का मूलाधार निरूपित करते हुए राज्यपाल ने ग्रामीणों से दुग्ध व्यवसाय के विस्तार और आय के छोटे-छोटे स्त्रोतों को अपनाने का आह्वान किया और कहा कि जैविक खाद उत्पादन व उपयोग का भी इसमें समावेश किया जाना चाहिए। इन कार्यों से आमदनी में अभिवृद्धि के साथ ही बौद्धिक व शारीरिक क्षमता का संवर्धन भी होगा।

उन्होंने बैलों से खेती करने के लाभ गिनाते हुए ग्रामीणों से बैलों से खेती करने और अपनी जमीन को उपजाऊ बनाने के साथ ही पौष्टिक अनाज पैदा करने पर भी जोर दिया। राज्यपाल ने गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. केशवसिंह ठाकुर से कहा कि वे गांव गोद लेने के साथ ग्रामीण बच्चों को भी गोद लें ताकि उन्हें भविष्य निर्माण में और अधिक सम्बल प्राप्त हो सके। उन्होंने बच्चों से भविष्य की कल्पनाओं के बारे में पूछा तथा नियमित पढ़ाई के साथ-साथ सामान्य ज्ञान और परिवेशीय, सामाजिक एवं राष्ट्रीय सरोकारों से संबंधित जानकारी में भी अपडेट रहने को कहा। इसके साथ ही पढ़ाई पूरी करने के उपरान्त प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के लिए पूर्ण निष्ठा, लगन एवं एकाग्रता के साथ तैयारी करने पर बल दिया और कहा कि जीवन में लक्ष्य निर्धारण के अनुरूप कर्तव्य निभाने पर मेहनत का फल अवश्य प्राप्त होता है। राज्यपाल ने संवाद कार्यक्रम का शुभारंभ सरस्वती की तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया। विश्वविद्यालय सामाजिक उत्तरदायित्व के चतुर्थ चरण के अन्तर्गत बांसवाडा के दो गांव ग्राम पंचायत कटियोर व चनावाला ग्राम को गोद लिया गया है।

भारतीय संस्कृति में यज्ञ का विशेष महत्व : शर्मा

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा गुरुवार को सीकर रोड़ स्थित नींदड़ में 1008 कुण्डीय हनुमान महायज्ञ और श्रीराम कथा में शामिल हुए। उन्होंने जगद्गुरु स्वामी रामभद्राचार्य जी के सानिध्य में सपरिवार मंत्रोच्चार के साथ विश्वकल्याण के लिए हवन में आहूति भी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रामभद्राचार्य जी महाराज का भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा के संरक्षण और संवर्धन में महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में 'वसुधैव कुटुम्बकम' की भावना के अनुरूप यज्ञ विधि से कार्य किया जाता है। विश्व कल्याण और राज्य के विकास के लिए स्वामी रामभद्राचार्य जी का यह यज्ञ अत्यंत महत्वपूर्ण है। यज्ञ के माध्यम से सद्भावनाएं सशक्त होती हैं। रामभद्राचार्य जी महाराज ने कहा कि यह यज्ञ भारत को सबसे बड़ी आर्थिक शक्ति बनाने की कामना से किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह यज्ञ देश को अखण्ड, अजय और सशक्त बनाने के साथ-साथ सभी श्रद्धालुओं की मनोकामनाओं को पूरा करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।

समाजवादी पार्टी खुद पीडीए को लेकर भ्रम में है : पंकज चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वाराणसी (उप्र)/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के अध्यक्ष पंकज चौधरी ने बृहस्पतिवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के हाल में जारी 'पीडीए पंचांग' पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी पार्टी खुद ही इस बात को लेकर पक्का नहीं है कि पीडीए का मतलब क्या है, जबकि भाजपा समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने वाली समावेशी राजनीति में विश्वास करती है।

हाल में समाजवादी पार्टी ने 2026 के लिए अपना 'समाजवादी पीडीए पंचांग' जारी किया है। पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव द्वारा जारी किए गए इस कैलेंडर में प्रमुख राष्ट्रीय, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक तारीखों के साथ-साथ पार्टी के विचारकों, संस्थापकों और पीडीए - पिछड़ा (पिछड़ी जातियां), दलित और अल्पसंख्यक समुदायों से संबंधित सामाजिक हस्तियों की जयंती एवं पुण्यतिथि को भी दिखाया गया है। यह पंचांग सपा की राजनीतिक पहुंच के हिस्से के रूप में देश भर में पार्टी कार्यकर्ताओं के बीच बांटा जा रहा है। चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संसदीय क्षेत्र में वाराणसी में प्रेसवार्ता में कहा कि भाजपा किसी एक जाति की पार्टी नहीं बल्कि सर्व समाज की पार्टी है। उन्होंने कहा, पहले समाजवादी पार्टी को यह तय करना चाहिए कि पीडीए का असल में मतलब क्या है। सपा खुद पीडीए को लेकर कन्फ्यूजन में है, जबकि भाजपा समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर काम करती है। चौधरी बुधवार रात वाराणसी पहुंचे, जहां भाजपा पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) से जुड़े सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि यह कोई नई प्रक्रिया नहीं है और इसे समय-समय पर निर्वाचन आयोग द्वारा स्वतंत्र रूप से किया जाता है, न कि सरकार द्वारा। उन्होंने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता यह सुनिश्चित कर रहे हैं कि चुनाव से जुड़ा काम जमीनी स्तर तक पहुंचे। आगामी बजट पर चौधरी ने कहा कि यह एक बार फिर आम लोगों को समर्पित होगा, जिसमें गरीबों, किसानों, मजदूरों, युवाओं और महिलाओं पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा संगठन चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार है और किसी भी चुनावी चुनौती का सामना करने में सक्षम है।

आई-पैक तृणमूल कांग्रेस की 'आंख और कान', ममता का प्रदर्शन चुनिंदा : अधीर रंजन

कोलकाता/भाषा। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अधीर रंजन चौधरी ने बृहस्पतिवार को आरोप लगाया कि कॉरपोरेट कंपनी आई-पैक पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस की 'आंख और कान' के रूप में काम करती है और राज्य में पार्टी की चुनावी सफलता सुनिश्चित करने के लिए 'राजनीतिक रूप से अनैतिक और षड्यंत्रकारी' गतिविधियों में संलिप्त है। चौधरी ने कोयला तस्करी से जुड़े धनशोधन के मामले में आई-पैक के कार्यालय और कंपनी के निदेशक प्रतीक जैन के आवास सहित कई स्थानों पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की छापेमारी पर प्रतिक्रिया देते हुए सवाल किया कि पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी एजेंसी द्वारा कंपनी के परिसरों पर की गई छापेमारी के बाद इतनी आक्रमक और बेचैन क्यों हैं।

कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि कंपनी ने राज्य में सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेताओं के लिए धन उगाही के साधन के रूप में काम किया और पार्टी को चुनाव जीतने के लिए 'साजिशपूर्ण' तरीके से तैयार करने में मदद की। चौधरी ने कहा, ''आई-पैक तृणमूल की आंख और कान का काम करती है। यह कंपनी खुद चुनाव नहीं लड़ती, लेकिन तृणमूल के आंतरिक कामकाज को नियंत्रित करती है, यह तय करती है कि कौन किस पद पर बैठेगा, कौन नेता बनेगा और यहां तक कि आंतरिक मतदान को भी प्रभावित करती है। ये लोग पूरी प्रक्रिया में सीधे तौर पर शामिल होते हैं। यही आई-पैक की सच्चाई है।'' चौधरी ने अलग बयान में आरोप लगाया कि 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्हें हराने के लिए जैन की सलाह पर ही तृणमूल गुजरात से मुस्लिम बहुल जिले मुर्शिदाबाद के लिए प्रसिद्ध क्रिकेटर को लाई थी।

आई-पैक के कार्यालय पर ईडी छापेमारी के खिलाफ आज निकालेंगे विरोध रैली : ममता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने प्रवर्तन निदेशालय द्वारा राजनीतिक परामर्श कंपनी आई-पैक के कार्यालय और उसके निदेशक प्रतीक जैन के आवास पर की गई छापेमारी की कार्रवाई के खिलाफ शुक्रवार को विरोध रैली निकालने की घोषणा की है।

ममता बनर्जी ने दावा किया कि केंद्रीय एजेंसियों की इस तरह की कार्रवाई चुनावों से पहले राजनीतिक रूप से प्रेरित है। राज्य विधानसभा के लिए इस साल अप्रैल-मई महीने में चुनाव होने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने गंगासागर मेले के लिए बाबूघाट में एक बनाए गए 'ट्रांजिट कैंप' का बृहस्पतिवार को उद्घाटन करने के बाद लोगों को संबोधित करते हुए कहा, ''अगर वे एसआईआर (मतदाता सूची का विशेष गहन पुनरीक्षण) को लेकर हम पर हमला करते हैं, मेरे खिलाफ झूठा मामला बनाते हैं या हमारे दस्तावेज चुराने की कोशिश करते हैं, तो क्या मुझे ऐसे प्रयासों का विरोध नहीं करना चाहिए?''

बनर्जी ने बृहस्पतिवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी)की छापेमारी का जिक्र करते हुए कहा, ''उन्होंने सब कुछ चुरा लिया है, सारा डेटा, एसआईआर सूची।'' उन्होंने दावा किया कि केंद्रीय एजेंसियों की ऐसी गतिविधियां ''चुनाव से पहले होती हैं''। मुख्यमंत्री ने तलाशी अभियान को लेकर केंद्र सरकार को चुनौती देते हुए कहा, ''कल मैं जादवपुर 8बी बस स्टैंड से हाजरा चौराहे तक विरोध रैली का नेतृत्व करूंगी।'' उन्होंने लोगों से इस पांच किलोमीटर से अधिक लंबी रैली में हिस्सा लेने की अपील करते हुए कहा कि अगर उन पर हमला होता है तो वह निश्चित रूप से जवाब देंगी।

ईडी ने कोयला चोरी घोटाले से जुड़े धनशोधन की जांच के तहत बृहस्पतिवार को कोलकाता स्थित आई-पैक के कार्यालय और उसके निदेशक प्रतीक जैन के घर की तलाशी के लिए अभियान चलाया।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने जनता दर्शन में सुनीं लोगों की समस्याएं

गोरखपुर/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बृहस्पतिवार को गोरखनाथ मंदिर में 'जनता दर्शन' के दौरान विभिन्न जिलों से आए लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने इस दौरान कहा कि हर व्यक्ति की समस्या का समाधान सरकार का संकल्प है। योगी ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे पूरी तत्परता और संवेदनशीलता से यह सुनिश्चित करें कि बिना भेदभाव सबको न्याय मिले।

उन्होंने कहा कि हर पात्र को जन कल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिले, जरूरतमंदों के समुचित इलाज की व्यवस्था हो, जमीन कब्जाने वाले भू माफिया व दबंगों के खिलाफ कठोर कार्रवाई हो। मुख्यमंत्री योगी ने 'जनता दर्शन' कार्यक्रम के दौरान करीब 150 लोगों की समस्याएं सुनीं। मुख्यमंत्री ने गंभीर बीमारियों के उपचार के लिए आर्थिक मदद की गुहार लेकर आए कई लोगों से कहा कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जो भी जरूरतमंद हैं, प्रशासन उनके उच्च स्तरीय इलाज के लिए तुरंत धन उपलब्ध कराए।

मेरठ में मां के सामने बेटी का अपहरण

मेरठ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मेरठ जिले में बृहस्पतिवार सुबह एक व्यक्ति ने एक महिला के सामने उसकी बेटी का अपहरण कर लिया और विरोध करने पर महिला के सिर पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक महिला का इलाज अस्पताल में जारी है, जहां उसकी हालत नाजुक बताई जा रही है।

पुलिस के अनुसार, जिले के सरधना थाना क्षेत्र के कपसाड़ गांव में महिला अपनी 20 वर्षीय बेटी के साथ सुबह करीब आठ बजे खेत में गन्ने की छिलाई के लिए जा रही थी, तभी गांव के ही एक युवक पारस ने उन्हें रोक लिया और अभद्रता करने लगा। महिला ने जब इसका विरोध किया तो आरोपी ने गाली-गलौज करते हुए फरसे से उसके सिर पर वार कर दिया। घायल महिला मौके पर ही गिर पड़ी, जिसके बाद आरोपी युवती को जबरन अपने साथ ले गया। महिला के शोर मचाने पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और परिजनों को सूचना दी। परिजन घायल महिला को मोदीपुरम के एसडीएस ग्लोबल हॉस्पिटल ले गए, जहां चिकित्सकों ने उसकी हालत गंभीर बताई है। इसके बाद परिजनों ने थाने में शिकायत दर्ज कराई।

मणिपुर में म्यांमा से जुड़े मादक पदार्थ गिरोह का भंडाफोड़, 15 करोड़ रुपए की हेरोइन जब्त

इंफाल/भाषा। मणिपुर में नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी) ने म्यांमा से जुड़े मादक पदार्थ तस्करी के एक गिरोह का भंडाफोड़ करते हुए दो स्थानीय लोगों को गिरफ्तार किया और उनके पास से सात किलोग्राम से अधिक की हेरोइन जब्त की । अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि इस अभियान को बुधवार को अंजाम दिया गया और बरामद किए गए मादक पदार्थ की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 15 करोड़ रुपए है। उन्होंने बताया कि विशिष्ट खुफिया जानकारी के आधार पर कार्रवाई करते हुए एनसीबी की इंफाल क्षेत्र की इकाई के अधिकारियों ने असम राइफल्स के सहयोग से इस अभियान को अंजाम दिया। अधिकारियों ने बताया कि टीम ने भारत-म्यांमा सीमा के पास एक वाहन को रोका और उससे 7.31 किलोग्राम हेरोइन बरामद की गई। उन्होंने कहा कि तस्करी के जरिये लाया मादक पदार्थ 638 प्लास्टिक के साबुन के डिब्बों में छिपाकर रखा गया था।

बरेली में नाबालिग लड़की का जबरन धर्म परिवर्तन कराने के मामले में युवक गिरफ्तार

बरेली/भाषा। उत्तर प्रदेश के बरेली जिले में एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर ले जाने और जबरन उसका धर्म परिवर्तन कराने के आरोप में पुलिस ने बृहस्पतिवार को एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने यह जानकारी दी। बरेली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) अनुराग आर्य ने बृहस्पतिवार को बताया कि पांच जनवरी को नाबालिग लड़की को बहला फुसलाकर ले जाने के मामले में थाना क्योलड़िया की पुलिस ने तकनीकी निगरानी एवं अंतर-जिला समन्वय के माध्यम से मात्र कुछ घंटों के भीतर पीड़िता को सकुशल बरामद कर लिया। साथ ही मुख्य अभियुक्त रेहान को बृहस्पतिवार को गिरफ्तार कर लिया।

भाजपा विधायक के 'मुस्लिम वोट' संबंधी बयान से खड़ा हुआ राजनीतिक विवाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमेठी/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उत्तर प्रदेश इकाई के वरिष्ठ नेता और जगदीशपुर से विधायक सुरेश पासी के 'मुझे मुस्लिम वोट नहीं चाहिए' वाले बयान से राजनीतिक विवाद खड़ा हो गया है। पासी के बयान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर आया है।

पासी को मात्र 20 सेकंड के इस वीडियो में यह कहते हुए सुना जा सकता है कि उन्हें मुस्लिम वोट नहीं चाहिए और वह न तो मस्जिदों में जाते हैं तथा न ही समुदाय के किसी सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होते हैं।

भाजपा विधायक सात जनवरी को एक पुल के उद्घाटन में भाग लेने के बाद पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। पासी ने वीडियो में कहा कि उन्हें मुस्लिम वोटों की जरूरत नहीं है और उनका रुख 'बिल्कुल साफ' है।

इस संबंध में टिप्पणी के लिए भाजपा विधायक से संपर्क नहीं हो सका। भाजपा ने इस बयान से खुद को अलग कर लिया और इसे पासी का निजी विचार बताया। पार्टी की जिला इकाई के अध्यक्ष सुधांशु शुक्ला ने कहा कि इन टिप्पणियों का भाजपा की विचारधारा से कोई लेना-देना नहीं है। शुक्ला ने कहा, भाजपा 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास' में विश्वास करती है। यह पार्टी का रुख साफ है। सुरेश पासी ने जो कहा वह उनकी निजी राय है।

हालांकि, विपक्षी पार्टियों ने भाजपा नेता की कड़ी आलोचना की।

कांग्रेस की जिला इकाई के अध्यक्ष प्रदीप सिंघल ने इस बयान को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया।

सिंघल ने आरोप लगाया, जब भी चुनाव आते हैं, भाजपा नेता ऐसे बयान देते हैं। वे सिर्फ वोट पाने के लिए भाई को भाई से, एक धर्म को दूसरे धर्म से और एक जाति को दूसरी जाति से लड़ाने की कोशिश करते हैं। यह सब नाटक है।

समाजवादी पार्टी की जिला इकाई के अध्यक्ष राम उदित यादव ने कहा कि ये टिप्पणियां समाज में नफरत फैलाने के मकसद से की गई हैं। यादव ने कहा, हिंदू-मुस्लिम बंटवारा करना भाजपा की राजनीति है। सुरेश पासी उसी पार्टी के हैं और वोटों के लिए भाजपा किसी भी हद तक जा सकती है।

पीडीए समुदाय के वोट हटाने की कोई भी साजिश सफल न हो : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बृहस्पतिवार को प्रत्येक मतदाता व 'पीडीए प्रहरी' से सतर्क रहने अपील की और यह सुनिश्चित करने को कहा कि पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक समुदाय के वोट हटाने की कोई भी साजिश सफल न हो।

यादव ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि 'पीडीए प्रहरियों' की कोशिशों के बावजूद समुदाय के करोड़ों वोट पहले ही हटा दिए गए हैं। उन्होंने कहा, हर मतदाता और हर एक 'पीडीए प्रहरी' से एक बार फिर ये अपील है कि पीडीए समाज के वोटों को काटने की किसी भी साजिश को कामयाब न होने दें। 'पीडीए प्रहरी' के प्रयासों के बावजूद भी अभी भी पीडीए समाज के करोड़ों वोट काटे गए हैं। पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि अब पीडीए प्रहरी को हर बूथ पर गहन जांच पड़ताल करनी है और 'एक भी वोट न कटने पाए, एक भी वोट न घटने पाए' के अपने नारे के साथ हम सबको फिर से जुट जाना है, हर एक वोट बचाना है।

सपा नेता ने कहा, हर मतदाता को याद दिलाइए कि मतदाता सूची में आपके नाम का महत्व क्या है। आने वाले दिनों में मतदाता सूची में नाम न होने को आधार बनाकर कहीं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार कोई ऐसा काला कानून न ले आए, जिससे आपका नाम कागजों से गायब मानकर आपसे सबूत मांगे जाएं और आप अपने ही देश में बाहरी साबित कर दिए जाएं। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार ऐसा कानून बना सकती है, जिससे आपके सारे अधिकार, धन-दौलत, सोना-चांदी, जमा-पूंजी, जमीन-जायदाद सब छीन लिए जाएं।

पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा, जो भाजपा सरकार निर्विरोध चुनाव लड़वाने का खेल, खेल सकती है, वे चुनाव में नाम काटने के लिए कुछ भी कर सकती है क्योंकि चुनाव जीतकर सरकार बनाना और फिर भ्रष्टाचार करना तथा जल, जंगल, जमीन पर कब्जा करना ही भाजपा और उनके संगी-साथियों की गुप्त मंशा है। यादव ने मतदाताओं से चौकन्ना रहने की अपील की और सजग होकर मतदाता सूची का हिस्सा बनने को कहा।

आई-पैक कार्यालय में छापेमारी को बाधित करने के मामले में ईडी ने कलकत्ता उच्च न्यायालय का रुख किया

कोलकाता/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने कोयला तस्करी से जुड़े धनशोधन मामले में राजनीतिक परामर्श कंपनी आई-पैक के कार्यालय और इसके प्रमुख प्रतीक जैन के आवास पर छापेमारी की कार्रवाई को कथित तौर पर बाधित करने के खिलाफ कलकत्ता उच्च न्यायालय का रुख किया है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी।

ईडी द्वारा आई-पैक निदेशक और उसके कार्यालय पर की जा रही छापेमारी के बीच मुख्यमंत्री ममता बनर्जी नाटकीय ढंग से मौके पर पहुंच गई थीं। बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्रीय एजेंसी तृणमूल के आंतरिक दस्तावेजों, हार्ड डिस्क और उसकी चुनाव रणनीति से जुड़े संवेदनशील डेटा को जब्त करने का प्रयास कर रही थी।

आई-पैक तृणमूल को राजनीतिक परामर्श सेवा मुहैया कराने के अलावा, पार्टी के आईटी और मीडिया प्रकोष्ठ का कामकाज भी देखता है।

ईडी के अधिवक्ता ने इस मामले का विशेष उल्लेख न्यायमूर्ति शुभ्रा घोष के समक्ष किया और अदालत से हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया, ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि जांच बिना किसी बाधा के आगे बढ़े।

आदिवासी संगठनों ने एक आदिवासी ग्राम प्रधान की हत्या को लेकर खूंटी बंद रखा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

खूंटी/भाषा। झारखंड के खूंटी जिले में विभिन्न आदिवासी संगठनों के समर्थकों ने आदिवासी ग्राम प्रधान सोमा मुंडा की हत्या के विरोध में बृहस्पतिवार को छह घंटे का बंद रखा। पुलिस ने यह जानकारी दी। कई स्थानों पर प्रदर्शनकारियों को टायर जलाते और सड़कों को अवरुद्ध करते देखा गया, जबकि दुकानें और बाजार बंद रहे।

पुलिस के अनुसार बुधवार शाम को खूंटी थानाक्षेत्र के नामकुम-जमुआदग रोड पर अज्ञात हमलावरों ने मुंडा की गोली मारकर हत्या कर दी। वह अपनी पत्नी के साथ मोटरसाइकिल पर घर लौट रहे थे। मुंडा ने 2024 के विधानसभा चुनाव में खूंटी सीट से अबूआ झारखंड पार्टी (एजेपी) के टिकट पर चुनाव लड़ा था। वह 'अदेल संगा पाधा राजा' (22 गांवों के पारंपरिक मुखिया) थे। प्रदर्शनकारियों ने मुंडा के शव को भगत सिंह चौक पर रखकर प्रदर्शन किया और हत्यारों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

मुंडा की पत्नी अमृता ने कहा, ''मेरे पति ने जल, जंगल और जमीन की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दे दी। वह हमेशा गरीबों और आदिवासी समुदाय के अधिकारों के लिए लड़ते रहे। उन्होंने सालों तक जल, जंगल और जमीन के लिए संघर्ष किया, लेकिन अपराधियों ने उन्हें गोलियों का निशाना बना दिया।'' उन्होंने सरकार से हत्यारों को जल्द से जल्द गिरफ्तार करने की मांग की। एजेपी के केंद्रीय अध्यक्ष रिनाल होरो ने हत्या की सीबीआई जांच की मांग की। प्रदर्शनकारियों ने सिमडेगा-रांची मुख्य सड़क को सात घंटे तक अवरुद्ध रखा। प्रशासन के हस्तक्षेप के बाद प्रदर्शनकारियों को हटाया जा सका। तोर्पा के अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (एएसपी) क्रिस्टोफर केरकेट्टा ने बताया कि प्रदर्शनकारियों को समझाने-बुझाने के बाद प्रमुख सड़कों को खाली करा लिया गया है।

ओडिशा में अदालतों को मिले धमकी भरे ईमेल, न्यायिक गतिविधियां घंटों तक रहीं बाधित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भुवनेश्वर/भाषा। ओडिशा उच्च न्यायालय समेत कई अदालतों के अधिकारियों को बृहस्पतिवार को धमकी भरे गुमनाम ईमेल मिलने से न्यायिक कार्यवाही बाधित हुई।

अधिकारियों ने बताया कि परिसर को नुकसान पहुंचाने की धमकी वाले इन ईमेल के प्राप्त होने के बाद पुलिस ने विभिन्न स्थानों पर तलाशी अभियान शुरू किया।

सूत्रों के अनुसार, अधिकारियों को उड़िया भाषा में एक ईमेल प्राप्त हुआ, जिसमें प्रेषक ने कटक, संबलपुर और देवगढ़ स्थित जिला अदालतों को नुकसान पहुंचाने की धमकी दी थी।

पुलिस मुख्यालय द्वारा जारी एक बयान के मुताबिक, कई अदालतों को परिसर को नुकसान पहुंचाने की धमकी भरा एक गुमनाम ईमेल दो बजकर 35 मिनट पर प्राप्त हुआ। पुलिस ने मामले पर संज्ञान लेते हुए गहन जांच शुरू की।

ओडिशा के पुलिस महानिदेशक वाईबी खुराना ने बताया, एहतियात के तौर पर पुलिस जांच कर रही है और सभी संबंधित स्थानों पर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। स्थिति पर कड़ी नजर रखी जा रही है।

टी20 विश्व कप में डिकॉक और यानसेन का प्रदर्शन महत्वपूर्ण रहेगा : डुमिनी

नई दिल्ली/भाषा। पूर्व स्टार बल्लेबाज जेपी डुमिनी ने का मानना है कि भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में होने वाले टी20 विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका के लिए क्विंटन डिकॉक और मार्को यानसेन जैसे खिलाड़ियों का प्रदर्शन काफी अहम रहेगा।

दक्षिण अफ्रीका में चल रही एसए20 लीग में विकेटकीपर बल्लेबाज डिकॉक का बल्ला खूब रन उगल रहा है लेकिन ऑलराउंडर यानसेन ने पिछले कुछ समय में सभी प्रारूपों में प्रभावशाली प्रदर्शन किया है। एसए20 लीग के मौजूदा सत्र में 205 रन के साथ डिकॉक फिलहाल दूसरे सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। डुमिनी ने 'एसए20' द्वारा आयोजित ऑनलाइन मीडिया बातचीत के दौरान कहा,''अगर आप क्विंटन डिकॉक के नजरिए से सोचें तो कुछ

समय तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से बाहर रहने के बाद और वह जिस तरह के प्रतिस्पर्धी हैं उसे देखते हुए वह निश्चित रूप से चाहते हैं कि उन्हें चयनकर्ताओं और टीम से जो समर्थन मिल रहा है उसके हिसाब से वह प्रदर्शन करें और वह निश्चित रूप से ऐसा करते भी हैं।'' उन्होंने कहा, ''आप जानते हैं कि अगर क्विंटन डिकॉक अच्छी फॉर्म में होते हैं तो इससे हमेशा दक्षिण अफ्रीकी टीम का मनोबल और आत्मविश्वास बढ़ता है। तो उम्मीद है कि फरवरी में होने वाले टी20 विश्व कप तक यह जारी रहेगा।'' भारत में पिछले महीने हुई सीमित ओवरों की शृंखला में प्रभावी प्रदर्शन करने वाले यानसेन की सराहना करते हुए डुमिनी ने कहा, ''उसका (यानसेन) फॉर्म सच में बहुत अच्छा रहा है और ऑलराउंडर होने से निश्चित रूप से आपका चयन थोड़ा और आसान हो जाता है। सही संयोजन मिलना बहुत जरूरी है। और अगर आपके पास मार्को यानसेन जैसा काबिल खिलाड़ी शीर्ष फॉर्म में है और यह निश्चित रूप से दक्षिण अफ्रीका को विश्व कप में एक शानदार मौका देता है।''

सिंधू आसान जीत के साथ मलेशिया ओपन के क्वार्टर फाइनल में

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कुआलालंपुर/भाषा। भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने शानदार प्रदर्शन करते हुए गुरुवार को यहां अपने से अधिक रैंकिंग वाली जापान की खिलाड़ी तोमोका मियाजाकी को हराकर मलेशिया ओपन सुपर 1000 बैडमिंटन टूर्नामेंट के महिला एकल के क्वार्टर फाइनल में जगह पक्की की। चोट के कारण लंबे समय तक खेल से दूर रहने के बाद वापसी कर रही पूर्व विश्व चैंपियन सिंधू ने आठवीं वरीयता प्राप्त मियाजाकी को 33 मिनट में 21-8, 21-13 से हराया।

हालांकि भारतीय पुरुष खिलाड़ी लक्ष्य सेन और युवा आयुष शेट्टी को हार का सामना करना पड़ा। सेन प्री-क्वार्टर फाइनल में हांगकांग-चीन के ली चेउक यिउ से 53 मिनट में 22-22, 15-21 से हार गए। शेट्टी को चीन के शीर्ष वरीयता प्राप्त शी यू क्यूई के खिलाफ 70 मिनट तक चले कड़े मुकाबले में 18-21, 21-18, 12-12 से हार का सामना करना पड़ा। तीस वर्षीय सिंधू ने वापसी करने के बाद अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखा और मियाजाकी के खिलाफ अपनी दूसरी जीत दर्ज की। इससे जापानी किशोरी के खिलाफ उनका करियर

सुविचार

कभी तो रोशन होगी मेरी ज़िन्दगी इंतज़ार मुझे सुबह का नहीं रब्ब की रेहमत का है

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कैसे रुकेगा प्रतिभाओं का पलायन?

एक चर्चित एआई-सक्षम वैश्विक प्रतिभा आवाजाही मंच द्वारा किए गए सर्वेक्षण का यह नतीजा कि 'बेहतर (आर्थिक) भविष्य के लिए 52 प्रतिशत भारतीय विदेश जाने की मंशा रखते हैं', बताता है कि सरकार और समाज को ऐसा माहौल बनाने पर गंभीरता से ध्यान देना होगा, जिससे युवाओं को यहां अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करने में मदद मिले। उक्त मंच के निष्कर्ष और आंकड़ों पर सवाल उठाए जा सकते हैं। अगर आज सोशल मीडिया को समाज का दर्पण माना जाए तो ऐसे युवाओं का आंकड़ा कहीं ज्यादा हो सकता है, जिन्हें अवसर मिलें तो वे विदेश जाकर रहना और कमाना चाहेंगे। हर साल कई भारतीय अपनी नागरिकता छोड़ रहे हैं। आंकड़े बताते हैं कि हर साल 2 लाख से ज्यादा भारतीय अपने पूर्वजों का देश छोड़कर विदेशी नागरिकता ले रहे हैं। साल 2020 और 2021 में कोरोना महामारी के कारण कुछ कमी जरूर आई थी। ये वो लोग हैं, जिनके पास संसाधन हैं, प्रतिभा है। अगर ये भारत में रहकर काम करते तो देश की अर्थव्यवस्था और समाज को कई तरह से फायदा पहुंचाते। आखिर क्या वजह है कि ये यहीं रहकर अपने धन और ज्ञान से देश की सेवा करने के बजाय विदेश की सेवा करने चले गए? क्या इससे देश को कोई नुकसान होता है? कल्पना कीजिए, किसी गांव में 100 लोग हैं, जिनमें से 90 लोग साधारण पृष्ठभूमि से आते हैं। वहीं, 10 लोग अत्यंत प्रतिभाशाली हैं, जो अपने ज्ञान से समाज को नई दिशा दे सकते हैं। अगर ये 10 लोग उस गांव को छोड़कर कहीं और चले जाएं तो क्या होगा? ये जहां भी जाएंगे, उस इलाके को फायदा पहुंचाएंगे, जबकि उनके गांव को ऐसा नुकसान होगा, जिसका कोई हिसाब भी नहीं लगाएगा। इसी उदाहरण को हम किसी देश के सन्दर्भ में देख सकते हैं।

सोचिए, अमेरिका की मशहूर कंपनियों में जो भारतीय प्रतिभाएं काम कर रही हैं, उन्हें वैसे ही अवसर यहां मिले होते तो अपना देश आज कहां होता? क्या कोई अमेरिकी राष्ट्रपति टैरिफ लगाने की धमकियां दे सकता था? अक्सर यह कहा जाता है कि 'प्रतिभाशाली भारतीय सिर्फ धन कमाने के लिए विदेश जाते हैं।' हालांकि धन कमाना एक कारण हो सकता है, लेकिन वे सिर्फ धन के लिए विदेश जाकर नहीं बसते। ये लोग वहां भी टैक्स चुकाते हैं, जिसके बदले में मिलते हैं- अच्छे स्कूल, गुणवत्तापूर्ण चिकित्सा सुविधाएं, साफ हवा, साफ पानी, सामाजिक सुरक्षा और जरूरत पड़ने पर प्रशासन से मदद। उन देशों ने व्यवसाय करना आसान बना दिया, इसलिए वहां युवा उद्यमी बहुत उन्नति कर रहे हैं। ये मूलभूत सुविधाएं हैं। अगर सरकार और समाज ठान लें तो यह काम भारत में भी संभव है। देश की जवानी देश की उन्नति में लगनी चाहिए। इसके लिए हर स्तर पर काम होना चाहिए। जो भारतीय युवा अपने देश में पढ़ाई करने के बाद अमेरिका, कनाडा, ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस आदि देशों में काम कर उनकी अर्थव्यवस्थाओं को मजबूत बनाने में योगदान दे रहे हैं, उन्हें दोष देना बंद करें। अपने माता-पिता और परिवार से कोसों दूर कौन जाना चाहता है? देश में रोजगार की स्थिति सुधरे और मूलभूत सुविधाएं बेहतर हों तो भारत के प्रतिभाशाली युवा यहीं रहकर काम करना चाहेंगे। ऐसा नहीं है कि इन युवाओं के लिए विदेश में मौज ही मौज है। वहां नए सामाजिक परिवेश में ढलना आसान नहीं होता। मकान किराए से लेकर खानपान की चीजों तक के दाम काफी ज्यादा होते हैं। वे इसके बावजूद वहां रहना चाहते हैं, क्योंकि इस बात को लेकर निश्चिंत हैं कि कड़ी मेहनत के बाद सुविधाएं अच्छी ही मिलेंगी। यही विश्वास भारतीय व्यवस्थाओं को लेकर पैदा होना चाहिए।

ट्वीटर टॉक

दो दिन पूर्व केकड़ी की खारी नदी में बजरी डंपर से हुई मौत एक हृदयविदारक घटना है, जो भाजपा सरकार के संरक्षण में पनप रहे बजरी माफिया के खुले कत्ल का प्रमाण है। शोकाकुल परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

-अशोक गहलोत

सोमनाथ स्वाभिमान पर्व का आज से शुभारंभ हो रहा है। एक हजार वर्ष पूर्व, जनवरी 1026 में सोमनाथ मंदिर ने अपने इतिहास का पहला आक्रमण झेला था। साल 1026 का आक्रमण और उसके बाद हुए अनेक हमले भी हमारी शाश्वत आस्था को डिगा नहीं सके।

-नरेन्द्र मोदी

चूरू में महिला कॉन्स्टेबल के साथ गैंगरेप की घटना अत्यंत शर्मनाक एवं नारी सुरक्षा व कानून व्यवस्था पर सीधा प्रहार है। ये घिनौना अपराध न सिर्फ खाकी पर काला धब्बा है, बल्कि महिला सुरक्षा के दावों की शर्मनाक सच्चाई है।

-गोविंदसिंह डोटासरा

प्रेरक प्रसंग

देने का आनंद

अमेरिकी प्रवास में भ्रमण करने एवं भाषणों के बाद स्वामी विवेकानन्द अपने निवास स्थान पर आराम करने के लिए लौटे हुए थे। उन दिनों वे अपने ही हाथों से भोजन बनाते थे। वे भोजन करने की तैयारी कर ही रहे थे कि कुछ बच्चे उनके पास आकर खड़े हो गए। उनके अच्छे व्यवहार के कारण अक्सर बच्चे उनके पास आते थे। वे सभी बच्चे भूखे लग रहे थे। स्वामी जी ने अपना सारा भोजन बच्चों में बांट दिया। वहीं पर एक महिला बैठी ये सब देख रही थी। उसने बड़े ही आश्चर्य से पूछा, 'आपने अपनी सारी रोटियां तो इन बच्चों को दे डाली, अब आप क्या खाएंगे?' स्वामी जी मुस्कुराते हुए बोले, 'माता! रोटी तो मात्र पेट की ज्वाला शांत करने वाली वस्तु है। यदि इस पेट न सही तो उनके पेट में ही सही। आखिर ये सब भगवान के अंश ही तो हैं। देने का आनंद, पाने के आनंद से बहुत बड़ा है।'

सामयिक

वैश्विक राजनीति का नया डॉक्ट्रिन : डिप्लोमेसी आउट, किडनैप इन

डॉ. मनमोहन प्रकाश

विडंबना यह है कि वेनेजुएला की घटना विश्व की कोई पहली घटना नहीं है। पहले भी कई बार दुनिया के देशों ने अमेरिकी कृत्य पर मूक दर्शक के रूप में अपनी भूमिका निभाई है। वर्ष1989 में अमेरिका पनामा पर तानाशाही, चुनाव में धांधली और मानवाधिकार के उल्लंघन, तथा कोकीन तस्करी के नाम पर वहां के शासक मैनुयल नोरिएगा को गिरफ्तार कर अमेरिका ले जा चुका है। वर्ष 2003 में इराक पर भी विनाशकारी रसायनिक और जैविक हथियारों के नाम पर न सिर्फ आक्रमण किया गया , अपितु वहां के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को अल्लाह के पास भेज दिया गया। कुछ वर्षों बाद इराक पर लगाए गए आरोप झूठे साबित होने पर भी अमेरिका को किसी भी प्रकार की शर्मिंदगी नहीं, क्योंकि उसे मालूम था कि उसके द्वारा लगाए गए आरोप काल्पनिक है।

कभी अंतरराष्ट्रीय राजनीति का चेहरा संवाद, शिष्टाचार और कूटनीतिक संयम से पहचाना जाता था। मतभेद होते थे, तनाव भी होता था, पर कम से कम यह दिखावा बना रहता था कि राष्ट्र एक-दूसरे से बात करते हैं। इक्कीसवीं सदी की शुरुआत में दुनिया को भरोसा दिलाया गया था कि अब मानवाधिकार, लोकतंत्र और नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था ही अंतरराष्ट्रीय संबंधों की रीढ़ होंगे, हथियारों की भूख को कम किया जाएगा। लेकिन 2026 आते-आते यह भरोसा भी एक कूटनीतिक फाइल में दफन हो चुका है। उसकी जगह ले चुकी है किडनैप-डिप्लोमेसी, जिसे 'डॉनरो डॉक्ट्रिन' और नव साम्राज्यवाद कहा जा रहा है। इस नए सिद्धांत का सबसे ताज़ा प्रयोग अमेरिका द्वारा वेनेज़ुएला में किया गया। भूगोल में छोटा, पर संसाधनों विशेषकर तेल भण्डारों से असहज करने वाला वेनेज़ुएला लंबे समय से तथा कथित लोकतंत्र की कमी के आरोपों से घिरा रहा,कभी उसके चुनावों की वैधता पर सवाल उठाए गए, तो कभी उस पर ड्रग तस्करी तथा मानवाधिकारों के दूरपयोग के इल्ज़ाम लगाए गए। समय समय पर आरोप बदलते रहे, लक्ष्य वही रहा- तेल सहित अन्य संसाधनों पर नियंत्रण। अंतरराष्ट्रीय राजनीति ने उस समय नया मोड़ ले लिया, जब 2026 की शुरुआत में वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति निकोलस मादुरो को उनकी पत्नी सहित हथकड़ियां लगा कर, आँखों पर पट्टी बाँधकर अगुवा कर लिया गया। न कोई अंतरराष्ट्रीय गिरफ्तारी वारंट, न हेग की अदालत की प्रक्रिया, न संयुक्त राष्ट्र की बहस। सीधे कार्रवाई वो भी ढंके की चोट पर यह कहते हुए कि है कोई माइ का लाल (वेनेज़ुएला के अंदर और बाहर)जो अमेरिका की इस अनैतिक कार्यवाही के विरुद्ध सीधे सीधे टक्कर लेने की हिमाकत कर सके।जो सक्षम है भी वो मन ही मन अमेरिका को धन्यवाद दे रहे कि उसने आगे किस दिशा में जाना चाहिए का मार्ग प्रशस्त कर दिया।एक प्रकार से यह स्पष्ट संकेत था कि अब छोटे देशों की संप्रभुता का मूल्यांकन अंतरराष्ट्रीय नियम-कानून के प्रावधानों से नहीं, सामरिक क्षमता से होगा।

वेनेज़ुएला का दृश्य किसी आधुनिक राष्ट्र से अधिक किसी पुराने डाकू-राज की याद दिलाता है,जहाँ गाँव पर नियंत्रण पाने के लिए मुखिया को उठा लिया जाता था। फर्क बस इतना है कि अब डाकू जंगलों में नहीं, सत्ता के गलियारों में सक्रिय हैं; और फिरौती धन में नहीं, नीति, व्यापार और संसाधनों में वसूली जाती है। वर्ष 2026 ने यह भी साफ कर दिया है कि वैश्विक राजनीति अब सहमति की भाषा नहीं समझती। छोटे और सामरिक दृष्टि से कमजोर देशों को वेनेज़ुएला की घटना से यह स्पष्ट संदेश दे दिया गया है कि संप्रभुता कमजोर राष्ट्र के लिए कोई जन्मसिद्ध अधिकार नहीं, बल्कि एक सशर्त सुविधा है और उनके संसाधन शक्तिशाली देशों की धरोहर है,जिनका दोहन शक्तिशाली देशों की अनुकंपा पर टिका हुआ है। इतना ही नहीं कमजोर और छोटे देशों को किससे व्यापार करना है, किससे नहीं?; किन शर्तों पर करना है?; किस युद्ध में उतरना है और किससे दूरी बनाए रखनी है? आदि का निर्णय अब राष्ट्रीय संसदों में नहीं, बल्कि शक्तिशाली देशों की स्वीकृति से होगा।इसी कड़ी में ग्रीनलैंड, कोलंबिया, मैक्सिको को तो बाकायदा अमेरिका की ओर से धमकी मिल गई है कि अगला नंबर तुम्हरा है। यदि समझदार हो तो स्वेच्छा से अपने संसाधनों को अमेरिका के हवाले कर दो, और अभयदान के साथ आशीर्वाद प्राप्त कर लो जैसा की पाकिस्तान ने अपने रियर मिनरल को अमेरिका को सौंप कर प्राप्त किया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि अमेरिका को संसाधन सौंप कर कोई भी देश परोक्षरूप से अनेतिक कार्य करने,आतंकवादियों को पालने- पोसने तथा अपने हितों के लिए उपयोग करने का लाइसेंस भी प्राप्त कर सकता है।

विडंबना यह है कि वेनेज़ुएला की घटना विश्व की कोई पहली घटना नहीं है। पहले भी कई बार दुनिया के देशों ने अमेरिकी कृत्य पर मूक दर्शक के रूप में अपनी भूमिका निभाई है। वर्ष1989 में अमेरिका पनामा पर तानाशाही, चुनाव में धांधली और मानवाधिकार के उल्लंघन, तथा कोकीन तस्करी के नाम पर वहां के शासक मैनुयल नोरिएगा को गिरफ्तार कर अमेरिका ले जा चुका है। वर्ष 2003 में इराक पर भी विनाशकारी रसायनिक और जैविक हथियारों के नाम पर न सिर्फ आक्रमण किया गया , अपितु वहां के राष्ट्रपति सद्दाम हुसैन को अल्लाह के पास भेज दिया गया। कुछ वर्षों बाद इराक पर लगाए गए आरोप झूठे साबित होने पर भी अमेरिका को किसी भी प्रकार की शर्मिंदगी नहीं, क्योंकि उसे मालूम था कि उसके द्वारा लगाए गए आरोप काल्पनिक है। इसी तरह पूर्व में लीबिया को नागरिक सुरक्षा तथा लोकतंत्र देने के नाम पर अराजकता में झोंक दिया गया। सीरिया को रासायनिक हमले के आरोप में सजा दी गई, वहीं अफगानिस्तान को अलकायदा को खत्म करने के नाम पर सजा भुगतनी पड़ी, बर्बाद होना पड़ा। इस पूरे परिदृश्य का सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि वेनेज़ुएला के राष्ट्रपति के खिलाफ न तो ठोस साक्ष्य सार्वजनिक किए गए, न ही अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय में मुकदमा चलाया गया। कारण समझे जा सकते हैं कि हेग की अदालत में प्रक्रिया लंबी चलती और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वीटो का जोखिम रहता। इसलिए क्या सही है, क्या ग़लत है?को किनारे रखकर सीधे शक्ति का प्रयोग किया गया। यही है वह तथाकथित नियम-आधारित व्यवस्था है, जहाँ नियम केवल कमजोरों के लिए सुरक्षित हैं। डॉनरो डॉक्ट्रिन के संकेत अब अन्य देशों को भी मिल चुके हैं। चीन के द्वारा ताइवान को निरंतर संदेश दिए जा रहा है कि वह शांति से चीन की सत्ता स्वीकार कर ले, अन्यथा उसका भी वही हाल होगा जो वेनेज़ुएला का हुआ है क्योंकि जब अमेरिका किसी राष्ट्र के राष्ट्राध्यक्ष का अपहरण कर सकता है तो चीन क्यों नहीं कर सकता है?। रूस को भी यूक्रेन के साथ लंबे समय से युद्ध करते हुए पक्षतावा हो रहा है कि उसने यूक्रेन के राष्ट्रपति जैलेन्सकी को अभी तक बंधक क्यों नहीं बनाया? अभी भी क्या बिगाड़ा है?रूस की जनता में चर्चा जोरों पर है,जब अमेरिका कर सकता है तो रूस क्यों नहीं कर सकता?

इसमें भी कोई अतिशयोक्ति नहीं कि अमेरिका के वेनेज़ुएला पर किए गए कृत्य से प्रेरणा लेकर भविष्य में बड़े शक्तिशाली देशों में छोटे तथा संसाधन संपन्न देशों को हड़पने की होड़ लग जाए क्योंकि अंतरराष्ट्रीय संबंधों में संवाद की जगह हथकड़ियाँ लेने लगी हैं। भारत में पाकिस्तान से उसके यहां आतंक फैलाने वाले आतंकियों को अमेरिका की तर्ज पर उठाने/अगुआ करने की मांग होने लगी है। स्वाभाविक है कि वेनेज़ुएला की घटना से सीख लेकर जो देश न तो नाटो के सदस्य हैं, न किसी प्रभावशाली गुट का हिस्सा है, वे अपने अस्तित्व और संप्रभुता को लेकर सबसे ज्यादा चिंतित हैं और शक्तिशाली राष्ट्र जो संप्रभुता की गारंटी दे सके की शरण में जाने पर विचार करने में लग गए हैं,मरता क्या नहीं करता। संभव है कि भविष्य में चीन, रूस, उत्तर कोरिया, ईरान आदि देश भारतीय राजनीति की तरह दूसरा मोर्चा या संगठन बनाने के लिए विवश हो। अमेरिका की दादागिरी को कम करने के लिए वैकल्पिक शक्ति-संतुलन की कोशिश आवश्यक दिखाई देती है। यह कोई आदर्शवादी पहल नहीं, बल्कि विवशता होगी,क्योंकि जब वैश्विक राजनीति जंगल के नियमों पर चलने लगे, तो अकेले रहना जोखिम बन जाता है। मजेदार बात यह है कि इसी दौर में शांति पुरस्कारों और शांति वार्ताओं की चर्चा भी जारी है। शांति अब युद्ध रोकने से नहीं, बल्कि उसे अपने तरीके से नियंत्रित करने से परिभाषित हो रही है। नया वैश्विक सिद्धांत साफ है,जो सबसे ताक़तवर है, वही सबसे बड़ा शांतिदूत है, और उसे ही शांति का नोबेल सम्मान मिलना चाहिए। कुल मिलाकर डॉनरो डॉक्ट्रिन चेता रही है कि दुनिया एक बार फिर उस मोड़ पर खड़ी है, जहाँ कूटनीति अपहृत हो चुकी है, संवाद हाशिये पर है और हथकड़ी अंतरराष्ट्रीय नीति का नया प्रतीक बन चुकी है। इसके पीछे के कारण भी स्पष्ट है, युद्ध के लंबे समय तक चलने के कारण , युद्ध करना मेंहगा सौदा हो चुका है। हमाश-इजराइल तथा यूक्रेन-रूस इसके ज्वलंत उदाहरण है। अतः भविष्य में कमजोर देशों के राष्ट्राध्यक्षों का अपहरण करना अपेक्षाकृत सस्ता और त्वरित विकल्प हो सकता है।

नजरिया

मित्रता हो तो विवेकानंद और अजीत सिंह जैसी

अमित बैजनाथ गर्ग

मोबाइल : 78770 70861

12 जनवरी, 1863 को कोलकाता में जन्मे स्वामी विवेकानंद अक्सर कहते थे कि भारतवर्ष की उन्नति के लिए मैंने जो कुछ भी किया है, वह मैं नहीं कर पाता यदि राजा अजीत सिंह मुझे नहीं मिलते। इस कथन से सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि विवेकानंद के जीवन में खेतड़ी के राजा अजीत सिंह का क्या स्थान था। विवेकानंद राजपूताने की खेतड़ी रियासत के राजा अजीत सिंह को अपना सच्चा दोस्त और सहयोगी मानते थे। उन्होंने जीवन भर अजीत सिंह से रिश्ता निभाया और उनसे मदद ली। अजीत सिंह को विविदिशानंद नाम उच्चारण में सही नहीं लगा, तो उन्होंने विवेकानंद कहकर बुलाया। विवेकानंद नाम से पूरी दुनिया में मशहूर होने के बाद इस बात से पर्दा उठा कि उनका यह नाम खेतड़ी के राजा अजीत सिंह के सुझाव पर ही रखा गया।

नरेंद्र से स्वामी विवेकानंद बनने की कहानी शेखावाटी की धरती पर खेतड़ी से ही शुरू होती है और शिकागो के धर्म सम्मेलन में यह नाम पूरी दुनिया में चर्चित हो गया। विवेकानंद को विश्व में प्रसिद्धि दिलाने और उनके संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने में अजीत सिंह का योगदान अतुलनीय है। विवेकानंद ने स्वयं कहा था कि भारतवर्ष की उन्नति और प्रगति के लिए जो कुछ मैंने थोड़ा बहुत किया है, उसमें अजीत सिंह का अमूल्य योगदान था। 11 से 27 सितंबर, 1893 के बीच शिकागो में धर्म संसद हुई थी। इसमें भाग लेने के लिए पहुंचे विवेकानंद की यात्रा की कहानी दिलचस्प रही।

अजीत सिंह के कहने पर उनके सचिव मुंशी जगमोहन लाल ने विवेकानंद के लिए 31 मई, 1893 को ओरिएंट कंपनी के पैनिनशुना नामक जहाज में प्रथम श्रेणी का टिकट खरीद कर दिया था। मुंबई से सवार होकर वह 63 दिनों में शिकागो पहुंचे थे। शिकागो संसद में भाग लेने के बाद विवेकानंद सीधे खेतड़ी आए थे और नौ दिन यहां रुके थे। अजीत सिंह व विवेकानंद मित्र थे। राजस्थान से अजीत सिंह ही एकमात्र ऐसे व्यक्ति थे, जिनका विवेकानंद के साथ गहरा नाता रहा। इसी लगाव के चलते विवेकानंद अपने जीवन काल में तीन बार खेतड़ी आए। तीनों प्रवास को मिलाकर देखें तो वह करीब चार माह खेतड़ी में रहे। शिकागो धर्म संसद में जाने से पहले भी वह खेतड़ी में थे। संसद में भाग लेने के बाद भी यहीं आए थे। विवेकानंद नाम से पूरी दुनिया में मशहूर होने के बाद यह रहस्य भी खुला कि उनका यह नाम अजीत सिंह के सुझाव पर ही रखा गया। खेतड़ी आने से पहले उनका नाम विविदिशानंद था। यह नाम राजा को उच्चारण में सही नहीं लगा, तो उन्होंने विवेकानंद नाम दिया। विवेकानंद के पांच नाम याद किए जाते हैं, बचपन का नाम नरेन या नरेंद्र, कमलेश, सच्चिदानंद, विविदिशानंद और विवेकानंद। सबसे ज्यादा चर्चित वह खेतड़ी से मिले विवेकानंद नाम से ही हुए। विवेकानंद ने शिकागो में सर्वधर्म महासभा को जिस पोशाक यानी चोगा और पगड़ी पहनकर संबोधित किया, वह अजीत सिंह की ही देन थी। खेतड़ी के गर्म मौसम में लू से बचने के लिए सिर पर साफा बांधने की परंपरा थी। यहां विवेकानंद को तेज गर्मी में असुविधा होती थी, इसलिए अजीत सिंह ने उन्हें साफा बांधने की सलाह दी थी। विवेकानंद ने इसे स्वीकार कर लिया। बाद में यही साफा बांधकर वह शिकागो धर्म संसद में गए और उसके बाद से दुनिया भर में उनकी यही छवि स्थापित हो गई।

अजीत सिंह एक धार्मिक व आध्यात्मिक प्रवृत्ति वाले शासक थे। गर्मी में अजीत सिंह माउंट आबू स्थित अपने खेतड़ी महल में ठहरे हुए थे। उसी दौरान 4 जून, 1891 को युवा संन्यासी विवेकानंद से उनकी पहली बार मुलाकात हुई। इस मुलाकात से अजीत सिंह उस युवा संन्यासी से इतने प्रभावित हुए कि उन्होंने उस युवा संन्यासी को अपना गुरु बना लिया तथा अपने साथ खेतड़ी चलने का आग्रह किया, जिसे विवेकानंद ठुकरा नहीं सके। विवेकानंद 7 अगस्त, 1891 को पहली बार खेतड़ी आए। खेतड़ी में विवेकानंद 27 अक्टूबर, 1891 तक रहे। खेतड़ी प्रवास के दौरान विवेकानंद प्रतिदिन अजीत सिंह से आध्यात्मिकता पर संवाद करते थे। विवेकानंद ने अजीत सिंह को आधुनिक विज्ञान के महत्व को समझाया। खेतड़ी में ही विवेकानंद ने राज पंडित नारायण दास शास्त्री के सहयोग से पाणिनी का अष्टाध्यायी व पतंजलि का महाभाष्य धायी का अध्ययन किया। विवेकानंद ने व्याकरणाचार्य और पांडित्य के लिए विख्यात नारायण दास शास्त्री को लिखे पत्रों में उन्हें मेरे गुरु कहकर संबोधित किया था। अमेरिका जाने से पूर्व 21 अप्रैल, 1893 को विवेकानंद दूसरी बार खेतड़ी पहुंचे। इस दौरान 10 मई, 1893 तक खेतड़ी में ठहरे। यह उनकी दूसरी खेतड़ी यात्रा थी। इसी दौरान एक दिन अजीत सिंह व विवेकानंद फतेह विलास महल में बैठे शास्त्र चर्चा कर रहे थे। तभी राज्य की नर्तकियों ने वहां आकर गायन वादन का अनुरोध किया। इस पर संन्यासी होने के नाते विवेकानंद उठकर जाने लगे तो नर्तकियों की दल नायिका मैनाबाई ने उनसे आग्रह किया कि आप भी विराजें, मैं यहां भजन सुनाऊंगी। इस पर विवेकानंद बैठ गए।

नर्तकी मैनाबाई ने महाकवि सूरदास रचित प्रसिद्ध भजन प्रभु मोरे अवगुण चित न धरो, समदरसी है नाम तिहारो, चाहे तो पार करो... सुनाया तो विवेकानंद की आंखों से आंसुओं की धारा बह निकली। उन्होंने उस पतिता नारी को ज्ञानदायिनी मां कहकर संबोधित किया और कहा कि आपने आज मेरी आंखें खोल दी हैं। कहा जाता है कि इस भजन को सुनकर विवेकानंद का संन्यासोन्मुखी भाव जाग उठा। 10 मई, 1893 को उन्होंने मात्र 30 वर्ष की अल्पायु में खेतड़ी से अमेरिका जाने के लिए प्रस्थान किया। अजीत सिंह के आर्थिक सहयोग से ही विवेकानंद ने अमेरिका के शिकागो शहर में आयोजित विश्व धर्म सम्मेलन में शामिल हो वेदांत की पताका फहराकर भारत को विश्व धर्मगुरु का सम्मान दिलाया। अमेरिका जाते वक्त अजीत सिंह ने अपने मुंशी जगमोहन लाल व अन्य कर्मचारियों को बंबई तक उनकी यात्रा की तैयारियों व व्यवस्था करने के लिए स्वामी जी के साथ भेजा था।

शिकागो में हिंदू धर्म की पताका फहराकर विवेकानंद विश्व भ्रमण करते हुए 1897 में जब भारत लौटे, तो 17 दिसंबर, 1897 को खेतड़ी नरेश ने उनके सम्मान में 12 मील दूर जाकर उनका स्वागत किया व भव्य गाजे-बाजे के साथ खेतड़ी लेकर आए। उस वक्त विवेकानंद को सम्मान स्वरूप खेतड़ी दरबार के सभी ओहदेदारों ने दो-दो सिक्के भेंट किए व खेतड़ी नरेश ने तीन हजार सिक्के भेंट कर दरबार हॉल में उनका स्वागत किया। उनके स्वागत में पूरे खेतड़ी में चालीस मण (सोलह सौ किलो) देसी घी के दीपक जलाए गए थे। इससे भोपालगढ़, फतेह विलास महल, जय निवास महल के साथ पूरा खेतड़ी जगमगा उठा था। 20 दिसंबर, 1897 को खेतड़ी के पन्नालाल शाह तालाब पर प्रीतिभोज देकर विवेकानंद का भव्य स्वागत किया गया था। शाही भोज में उस वक्त खेतड़ी ठिकाना के पांच हजार लोगों ने भाग लिया था। उसी समारोह में विवेकानंद ने सार्वजनिक रूप से भाषण दिया, जिसे सुनने के लिए हजारों की संख्या में लोग उमड़ पड़े थे। उस भाषण को सुनने वालों में विदेशी राजनयिक भी शामिल हुए थे। 21 दिसंबर, 1897 को विवेकानंद खेतड़ी से प्रस्थान कर गए। यह उनकी अंतिम खेतड़ी यात्रा थी। विवेकानंद अजीत सिंह को समय-समय पर पत्र लिखकर जनहित कार्य जारी रखने की प्रेरणा देते रहते थे। विवेकानंद ने जहां अजीत सिंह को खगोल विज्ञान की शिक्षा दी थी, वहीं उन्होंने खेतड़ी के संस्कृत विद्यालय में अष्टाध्यायी ग्रंथों का अध्ययन भी किया था। विवेकानंद के कहने पर ही अजीत सिंह ने खेतड़ी में शिक्षा के प्रसार के लिए जयसिंह स्कूल की स्थापना की थी। अजीत सिंह और विवेकानंद के अटूट संबंधों की अनेक कथाएं आज भी खेतड़ी के लोगों की जुबान पर सहज ही सुनने को मिल जाती हैं। विवेकानंद का मानना था कि यदि अजीत सिंह नहीं मिलते, तो उनका शिकागो जाना संभव नहीं होता। उन्होंने माना था कि अजीत सिंह ही उनके जीवन में एकमात्र मित्र थे।

विवेकानंद के जन्मदिन 12 जनवरी को राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। उनका जन्मदिन राष्ट्रीय युवा दिवस के रूप में मनाए जाने का प्रमुख कारण उनका दर्शन, सिद्धांत, आध्यात्मिक विचार और उनके आदर्श हैं, जिनका उन्होंने स्वयं पालन किया और भारत के साथ-साथ अन्य देशों में भी उन्हें स्थापित किया। उनके ये विचार और आदर्श युवाओं में नई शक्ति और ऊर्जा का संचार कर सकते हैं, उनके लिए प्रेरणा का एक श्रेष्ठ स्रोत साबित हो सकते हैं। विवेकानंद ने रामकृष्ण मिशन नामक सेवाभावी संगठन की स्थापना की थी। इसकी राजस्थान में पहली शाखा खेतड़ी में 1958 को अजीत सिंह के पौत्र बहादुर सरदार सिंह की ओर से विवेकानंद स्मृति भवन में प्रारंभ करवाई गई थी। 4 जुलाई, 1902 को विवेकानंद ने बेलूर मठ, कोलकाता में अपनी नश्वर देह को त्याग दिया।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टेंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

ऑपरेशन सिंदूर ने राष्ट्र निर्माण में जनता की अनिवार्य भागीदारी के संदेश को मजबूत कियाः ए.पी. सिंह

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय वायु सेना के प्रमुख, एयर चीफ मार्शल ए.पी. सिंह ने बृहस्पतिवार को ऑपरेशन सिंदूर के दौरान एनसीसी कैडेटों के योगदान की सराहना की और कहा कि इस सैन्य कार्रवाई ने इस संदेश को और मजबूत किया कि जीवन केवल पैसा कमाने या व्यक्तिगत इच्छाओं की पूर्ति के बारे में नहीं है, बल्कि देश के लिए कुछ करने के बारे में भी है।

दिल्ली छावनी में चल रहे राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) गणतंत्र दिवस शिविर में कैडेटों को संबोधित करते हुए, वायु सेना प्रमुख ने उनसे आग्रह किया कि वे देश के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करते रहें, चाहे वे बाद में सशस्त्र बलों में शामिल हों या अन्य कोई पेशा अपनाएं। उन्होंने असफलताओं से हतोत्साहित न होने और किसी भी बाधा से और भी मजबूत होकर उबरने का आग्रह किया, और शीर्ष पद तक पहुंचने की अपनी यात्रा का उदाहरण दिया।सिंह ने कहा कि उन्हें भी अपने जीवन और करियर में असफलताओं का सामना करना पड़ा, लेकिन वे भारतीय वायु सेना के प्रमुख के पद तक पहुंचे और कहा कि यह उनके भाग्य में लिखा था। उन्होंने कहा, इसलिए, चाहे आप वर्दीधारी सैनिक हों या सैन्य नेतृत्व से जुड़े अधिकारी हों, या फिर एक सामान्य नागरिक ही क्यों न हों, अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहिए और राष्ट्र निर्माण में योगदान करना चाहिए।

ऑपरेशन सिंदूर के दौरान नागरिक सुरक्षा गतिविधियों में उनके द्वारा निभाई गई भूमिका ने कई लोगों को प्रेरित किया। उन्होंने जोर देकर कहा, ऑपरेशन सिंदूर ने काफी जागरूकता फैलाई है। जीवन में सिर्फ पैसा कमाना या सिर्फ अपने लिए काम करना ही जरूरी नहीं है, देश के लिए कुछ करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय सशस्त्र बलों द्वारा सात मई, 2025 की सुबह-सुबह पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाकर अंजाम दिया गया।

प्रदर्शन

झारखंड के खूंटी जिले में गुरुवार को अज्ञात हमलावरों द्वारा आदिवासी गांव के मुखिया सोमा मुंडा की गोली मारकर हत्या के बाद प्रदर्शन कर रहे प्रदर्शनकारियों ने टायर जलाया।

'धुरंधर' पर खाड़ी देशों के बैन को हटाने की अपील

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेता रणवीर सिंह स्टारर ब्लॉकबस्टर फिल्म 'धुरंधर' पर यूएई, बहरीन, कुवैत, कतर, ओमान और सऊदी अरब जैसे खाड़ी देशों में लगे बैन के खिलाफ भारतीय फिल्म इंडस्ट्री ने आवाज उठाई है। इंडियन मोशन पिक्चर प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन (आईएमपीपीए) ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर खाड़ी देशों में लगे बैन को हटाने की अपील की है। फिल्ममेकर और इंडियन फिल्म एंड टीवी डायरेक्टर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष अशोक पंडित ने प्रधानमंत्री मोदी को लिखी चिट्ठी इंस्टाग्राम पर पोस्ट की, जिसमें इन देशों में फिल्म पर लगाए गए एकतरफा बैन को हटाने के लिए दखल देने की अपील की गई है।

प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन की चिट्ठी में कहा गया कि फिल्म 'धुरंधर' को सेंट्रल बोर्ड ऑफ फिल्म सर्टिफिकेशन से प्रमाणपत्र मिलने के बाद रिलीज किया गया और यह भारतीय बॉक्स ऑफिस पर बड़ी हिट साबित हुई है।

भारत-अमेरिका संबंध 'मुश्किल दौर' से गुजर रहे हैं, हर दिन एक नई चुनौती हैः कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बृहस्पतिवार को कहा कि भारत-अमेरिका संबंध ''मुश्किल दौर'' से गुजर रहे हैं और हर दिन एक ''नई चुनौती'' है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उस विधेयक का समर्थन किया है, जिसके तहत रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत तक का शुल्क लगाया जा सकता है। इस घटनाक्रम के बाद कांग्रेस का यह बयान आया है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 'एक्स' पर कहा, ''राष्ट्रपति ट्रंप के करीबी सहयोगी सीनेटर लिंडसे ग्राहम एक विधेयक को आगे बढ़ा रहे हैं जिसके तहत रूस के साथ भारत के व्यापार और अन्य संबंधों के लिए उस पर व्यापक रूप से नए प्रतिबंध लगाये जायेंगे। इससे पहले, सीनेटर बर्नी मोरेनो ने एक विधेयक पेश किया था जिसके तहत आउटसोर्सिंग के लिए भुगतान करने वाली अमेरिकी कंपनियों पर 25 प्रतिशत कर लगाने का प्रस्ताव था।''

कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत के लिए असहज स्थिति पैदा करते हुए राष्ट्रपति ट्रंप लगातार पाकिस्तान के फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की जमकर तारीफ कर रहे हैं। रमेश ने कहा कि द्विपक्षीय संबंधों में निश्चित रूप से एक 'नई असामान्य स्थिति' पैदा हो गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री की ओर से दिए जाने वाले बयानों के बावजूद, हर दिन एक नई चुनौती है।

ट्रंप ने उस विधेयक का समर्थन किया है, जिसके तहत रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत तक का शुल्क लगाया जा सकता है। इस कदम से व्हाइट हाउस को चीन और भारत जैसे देशों पर मॉस्को से सस्ता तेल खरीदना बंद करने का दबाव बनाने की व्यापक गुंजाइश मिलेगी।

अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम ने कहा कि यह विधेयक चीन, भारत और ब्राजील जैसे देशों के खिलाफ व्हाइट हाउस को बेहद मजबूत दबाव बनाने का साधन प्रदान करेगा, ताकि उन्हें रूस से सस्ता तेल खरीदना बंद करने के लिए प्रेरित किया जा सके।

ग्राहम ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, आज राष्ट्रपति ट्रंप के साथ विभिन्न मुद्दों पर बेहद सार्थक बैठक के बाद उन्होंने उस द्विदलीय रूस प्रतिबंध विधेयक को हरी झंडी दे दी है, जिस पर मैं कई महीनों से सीनेटर रिचर्ड ब्लूमेंथल और अन्य के साथ काम कर रहा हूं। उन्होंने कहा, यह सही समय पर आया है, क्योंकि यूक्रेन शांति के लिए रियायतें दे रहा है, जबकि पुतिन केवल बयानबाजी कर रहे हैं और निर्दोष लोगों की हत्या जारी है। यह विधेयक राष्ट्रपति ट्रंप को उन देशों को दंडित करने की अनुमति देगा, जो सस्ता रूसी तेल खरीदकर पुतिन की युद्ध मशीन को ईंधन दे रहे हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि इस विधेयक पर मजबूत द्विदलीय समर्थन मिलेगा और इसे संभवतः अगले सप्ताह की शुरुआत में मतदान के लिए लाया जा सकता है।

ट्रंप ने भारत पर 50 प्रतिशत तक शुल्क लगाया है, जो दुनिया में सबसे अधिक शुल्क वाले देशों में शामिल है।

सोशल मीडिया सिर्फ प्रमोशन का जरिया नहीं : अदा शर्मा

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अदा शर्मा सोशल मीडिया पर खासा एक्टिव रहती हैं और अक्सर एक से बढ़कर एक पोस्ट कर प्रशंसकों के साथ जुड़ी रहती हैं। खास बात है कि वह इस प्लेटफॉर्म को केवल अपनी फिल्मों के प्रमोशन का जरिया नहीं मानतीं। उनके लिए यह एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जहां वह लोगों को प्रेरित कर सकती हैं, जागरूकता फैला सकती हैं और दूसरों की जिंदगी में खुशी ला सकती हैं। न्यूज एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत में अदा ने सोशल मीडिया पर अपनी राय साझा की। अदा से जब पूछा गया कि आज के समय में वह सोशल मीडिया को कितना महत्व देती हैं तो उन्होंने बताया, मेरे लिए सोशल मीडिया का मतलब सिर्फ फिल्मों या प्रोजेक्टस का प्रमोशन नहीं है। यह एक एक ऐसी जगह है, जहां कई सकारात्मक काम किए जा सकते हैं। उदाहरण के तौर पर, मैं हाथियों के कल्याण के लिए रिहैबिलिटेशन सेंटर्स के साथ मिलकर काम करती हूं। अदा ने सोशल मीडिया के महत्व पर एक उदाहरण देते हुए बताया, हाथी बाहर से बहुत बड़े और मजबूत लगते हैं, लेकिन जब इंसान उन्हें कैद में रखते हैं, जैसे सर्कस में, तो उनकी हालत बहुत बुरी हो जाती है। सर्कस में हाथियों की पीठ पर भारी वजन रखा जाता है, जिससे उनकी रीढ़ की हड्डी टूट जाती है। उन्हें पीटा जाता है और वे दर्द में भी चुप रहते हैं क्योंकि बोल नहीं सकते। मैंने कई वीडियो पोस्ट किए, जिसे देखकर कई लोगों ने बताया कि उन्हें पहले नहीं पता था कि हाथी की सवारी करना गलत है। सर्कस में हाथियों की स्थिति देखकर दिल टूट जाता है। इतने बड़े जानवर को इंसान घुटनों के बल ला देते हैं। मैं सोशल मीडिया के जरिए ऐसी चीजों को उजागर करती हूं।

उन्होंने बताया, इसके अलावा, मैं स्ट्रीट डॉग्स के एडॉप्शन को बढ़ावा देने और प्लास्टिक के इस्तेमाल को कम करने की भी अपील सोशल मीडिया के जरिए करती हूं। इसके परिणाम काफी सकारात्मक रहे हैं। मैं शाकाहारी हूं और अपने नाश्ते या खाने की तस्वीरें डालती हूं, सच बताऊं तो इससे कई लोग प्रेरित होकर शाकाहारी बन चुके हैं। शाकाहारी भोजन में भी भरपूर प्रोटीन होता है। इससे मांसपेशियां, ताकत, स्टैमिना, सुंदरता, अच्छी त्वचा और बाल सब कुछ मिल सकता है। लोग गलत समझते हैं कि मजबूत बनने के लिए केवल मांसाहार जरूरी है।

इंस्टाग्राम पर अभिनेत्री के 10 मिलियन से ज्यादा फॉलोअर्स हैं। इसलिए अदा मानती हैं कि उन्हें भी कुछ वापस देना चाहिए। सोशल मीडिया के जरिए वह यही करती हैं।

सेना की दुनिया को अच्छी तरह समझती हूंः चित्रांगदा सिंह

मुंबई/एजेन्सी

फिल्मों की दुनिया में कई बार कुछ मौके अचानक ही मिल जाते हैं, जिनकी उम्मीद नहीं होती। ऐसे ही एक खास मौके ने अभिनेत्री चित्रांगदा सिंह को नया अनुभव दिया। इन दिनों चित्रांगदा सलमान खान की 'द बैटल ऑफ गलवान' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म उनके लिए बेहद खास है। आईएएनएस को दिए इंटरव्यू में अभिनेत्री ने बताया कि उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि वह सलमान खान के साथ स्क्रीन शेयर करेंगी। आईएएनएस से बात करते हुए चित्रांगदा ने अपने अनुभव के बारे में कहा, ''जब निर्देशक अपूर्व लाखिया ने मुझे इस फिल्म के लिए कॉल किया, तो मेरा पहला रिएक्शन यही था, 'सच में?' मैंने कभी उम्मीद नहीं की थी कि मुझे सलमान खान के साथ काम करने का मौका मिलेगा। मैंने न तो कभी सलमान से काम के लिए बात की और न ही कभी इसकी कोशिश की। यह मौका मेरे लिए पूरी तरह से आश्चर्यजनक और रोमांचक रहा।'' फिल्म 'द बैटल ऑफ गलवान' की कहानी 2020 में गलवान घाटी में भारत और चीन की सेनाओं के बीच हुई झड़प पर आधारित है। 15 जून को नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर दोनों देशों की सेनाओं के बीच हिंसक झड़प हुई थी, जिसमें दोनों पक्षों को जानमाल का नुकसान हुआ। सीमा के पास फायरआर्म्स का इस्तेमाल न करने के समझौते के कारण, सैनिकों ने लाठियों और पत्थरों का इस्तेमाल करते हुए लड़ाई लड़ी थी।

चित्रांगदा ने कहा, मैं सेना की दुनिया को अच्छी तरह समझती हूं, और एक आर्मी मैन की बेटी होने के नाते,

यह फिल्म मेरे लिए और भी व्यक्तिगत रूप से महत्वपूर्ण है। यह फिल्म सिर्फ एक मनोरंजन का माध्यम नहीं है, बल्कि एक महत्वपूर्ण और संवेदनशील कहानी को लोगों तक पहुंचाने का अवसर भी है। उन्होंने कहा, '''द बैटल ऑफ गलवान' एक महत्वपूर्ण फिल्म है। सेना और देशभक्ति के अनुभव से जुड़ी इस कहानी में काम करना गर्व का पल है। मेरा मानना है कि फिल्म दर्शकों को वास्तविक घटनाओं और सैनिकों के संघर्ष के करीब लाएगी और उन्हें देशभक्ति की भावना से जोड़ने में मदद करेगी।'' फिल्म में सलमान खान और चित्रागंदा सिंह की जोड़ी नजर आएगी। इसमें सलमान कर्नल बी. संतोष बाबू की भूमिका में नजर आएंगे, जिन्होंने असाधारण साहस के साथ 16 बिहार रेजिमेंट का नेतृत्व किया और मरणोपरांत महावीर चक्र से सम्मानित हुए थे। 'बैटल ऑफ गलवान' 17 अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बदलती सोच और डेटिंग स्टाइल ने 'स्प्लिट्सविला' शो को बनाया दर्शकों का फेवरेट : सनी लियोनी

मुंबई/एजेन्सी

डेटिंग और रियलिटी शो की दुनिया में 'एमटीवी स्प्लिट्सविला' हमेशा से खास जगह रखता आया है। पिछले कई सालों में यह शो दर्शकों के बीच लोकप्रिय होता जा रहा है और अब 16वें सीजन के साथ यह एक बार फिर नए ट्विस्ट और रोमांच के साथ लौट रहा है। इस बार का सीजन 'स्प्लिट्सविला एक्स6: प्यार या पैसा' नाम से दर्शकों के सामने आएगा, जिसमें प्यार और पैसों के बीच प्रतियोगियों की जंग दिखाई जाएगी। इस सीजन को सनी लियोनी होस्ट कर रही हैं। सनी ने कहा, ''स्प्लिट्सविला मेरे लिए हमेशा खास रहा है क्योंकि यह हर पीढ़ी के बदलते प्यार और रिश्तों की कहानी को दर्शाता है। समय के साथ न सिर्फ प्रतियोगियों की सोच बदली है, बल्कि डेटिंग का तरीका और प्यार की समझ भी बदल गई है। इस सीजन में भावनाओं और रिश्तों की परीक्षा पहले से कहीं ज्यादा होगी। प्रतियोगियों को अपने रिश्तों और दोस्ती की ताकत दिखानी होगी, जबकि ट्विस्ट और खेल की रणनीतियां उनके रास्ते में बाधा डालेंगी।'' इस बार शो में करण कुंद्रा को को-होस्ट के रूप में शामिल किया गया है। करण पिछले छह सालों में एमटीवी से दूर थे। अपनी वापसी को लेकर करण कुंद्रा ने कहा, ''शो के साथ जुड़कर मुझे ऐसा लग रहा है जैसे मैं घर लौट आया हूं। सनी लियोनी के साथ शो होस्ट करना मेरे लिए रोमांचक अनुभव है, क्योंकि उन्हें शो की अच्छी समझ है। मुझे यह देखने में भी बेहद मजा आएगा कि प्रतियोगी पैसा और प्यार दोनों में क्या चुनेंगे।''

इस सीजन में निया शर्मा और उर्फी जावेद को भी शामिल किया गया है। इनका काम प्रतियोगियों को चुनौती देना और खेल में बाधाएं डालना होगा। वे हर कदम पर प्रतियोगियों को उलझाएंगी और उन्हें अपने निर्णयों पर दोबारा सोचने के लिए मजबूर करेंगी। इस बार शो में कुल 32 लड़के और लड़कियां हिस्सा लेंगे, जो अपनी रणनीति और समझदारी के बल पर जीतने की कोशिश करेंगे।

'धुरंधर' बनी अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बनी, 831 करोड़ कमाए

मुंबई/भाषा

फिल्म निर्माता आदित्य धर की फिल्म 'धुरंधर' देशभर में कुल 831 करोड़ रुपए से अधिक का व्यवसाय करते हुए अब तक की सबसे अधिक कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई है। फिल्म निर्माताओं ने बुधवार को यह जानकारी दी। निर्माताओं ने बताया कि रणवीर सिंह अभिनीत इस फिल्म ने रिलीज के 33वें दिन मंगलवार को 5.70 करोड़ रुपए की कमाई की, जिसके बाद इसकी देशभर में कुल कमाई बढ़कर 831.40 करोड़ रुपए हो गई। इसके साथ ही यह अब तक की सभी हिंदी फिल्मों में पहले स्थान पर पहुंच गई।

फिल्म निर्माताओं ने एक बयान में कहा, फिर इतिहास रचा गया है। मंगलवार के हुए कारोबार के साथ, 'धुरंधर' आधिकारिक तौर पर अब तक की सबसे अधिक कमाई करने वाली हिंदी फिल्म बन गई है। यह एक अभूतपूर्व उपलब्धि है जिसने भारतीय बॉक्स ऑफिस की सफलता को फिर से परिभाषित किया है। इससे पहले शीर्ष स्थान पर अल्लू अर्जुन की 2023 की फिल्म 'पुष्पा 2: द रूल' का हिंदी संस्करण था, जिसने हिंदी में 830 करोड़ रुपए की कमाई की थी।

अन्य शीर्ष कमाई करने वाली हिंदी फिल्मों में शाहरुख खान की 'जवान' (643 करोड़ रुपए) और हॉरर-कॉमेडी 'स्त्री 2' (627 करोड़ रुपए) शामिल हैं। फिल्म 'धुरंधर' एक रोमांचक जासूसी फिल्म है जिसका निर्देशन और लेखन आदित्य धर ने किया है। फिल्म में रणवीर सिंह मुख्य भूमिका में हैं और यह फिल्म कंधार विमान अपहरण, 2001 संसद हमला और 26/11 मुंबई हमलों जैसी भू-राजनीतिक और आतंकी घटनाओं की पृष्ठभूमि पर आधारित खुफिया अभियानों की कहानी है।

इस फिल्म का निर्माण आदित्य धर और लोकेश धर ने ज्योति देशपांडे के 'जियो स्टूडियोज' के सहयोग से 'बी62 स्टूडियोज' के बैनर तले किया है। इस फिल्म में रणवीर सिंह के साथ-साथ संजय दत्त, अक्षय खन्ना, अर्जुन रामपाल, आर. माधवन, सारा अर्जुन और राकेश बेदी जैसे दिग्गज कलाकारों ने मुख्य भूमिकाएं निभाई हैं। इसी बीच, बॉलीवुड स्टूडियो यश राज फिल्म्स ने 'धुरंधर' की टीम को इस उपलब्धि पर बधाई दी।

बॉलीवुड की प्यारी 'छोटी बहन' नंदा ने लोगों के दिलों पर छोटी अमिट छाप

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी फिल्मों की दुनिया में कुछ अभिनेत्रियां ऐसी हैं, जिनकी यादें हमेशा दर्शकों के दिल में बस जाती हैं। उनका चेहरा जैसे ही स्क्रीन पर आता है तो सबकी नजरें उन पर टिक जाती हैं। उनमें से एक नाम है नंदा। नंदा बेहद खूबसूरत और टैलेंटेड अभिनेत्री थीं। उन्होंने फिल्मों में जो छवि बनाई, उसे लोग कभी नहीं भूल सकते। दर्शक उन्हें हमेशा 'छोटी बहन' वाली भूमिका में देखने के आदी हो गए थे। उन्होंने अपने किरदार को इतने भावपूर्ण तरीके से निभाया कि उनके साथ स्क्रीन पर जो कलाकार होते थे, दर्शक उन्हें असली भाई या बहन समझ बैठते थे। नंदा का जन्म 8 जनवरी 1939 को महाराष्ट्र के कोल्हापुर शहर में हुआ था। उनका पूरा नाम नंदिनी कर्नाटकी था। उनका परिवार फिल्मी जगत से जुड़ा हुआ था। उनके पिता विनायक दामोदर एक जाने-माने मराठी अभिनेता और निर्देशक थे। उनके भाई भी फिल्म से जुड़े थे, और उनके चाचा प्रसिद्ध निर्देशक वी. शांताराम थे। नंदा की जिंदगी तब बदल गई जब उनके पिता का देहांत हो गया। उस वक्त नंदा सिर्फ सात साल की थीं। उन्होंने परिवार की जिम्मेदारी उठाई और चाइल्ड आर्टिस्ट बनकर फिल्मों में काम करना शुरू कर दिया।

नंदा ने अपनी पहली फिल्म 'मंदिर' (1948) से बॉलीवुड में कदम रखा। पहले वह केवल बाल किरदार निभाती थीं, लेकिन धीरे-धीरे उनकी प्रतिभा और भावनाओं को लोग पहचानने लगे। 1956 में उनकी फिल्म 'तूफान और दीया' आई, जिसमें उन्होंने लीड रोल निभाया। इस फिल्म ने उनके लिए बड़ी फिल्मों के लिए दरवाजे खोल दिए। इसके बाद उन्होंने कई फिल्मों में भाई की देखभाल करती बहन की भूमिका निभाई, जैसे 'छोटी बहन' (1959) और 'भाभी' (1957)। उनका अभिनय इतना सजीव और भावपूर्ण था कि दर्शक उन्हें असली बहन मान बैठते थे।

नंदा फिल्मों में केवल छोटी बहन की भूमिका तक ही सीमित नहीं रहीं, बल्कि

उन्होंने 'कानून' (1960) और 'हम दोनों' (1961) जैसी फिल्मों में अपनी एक्टिंग से सबका मन मोह लिया। उनकी जोड़ी बॉलीवुड के बड़े सितारों के साथ हिट साबित हुई। शशि कपूर, राजेश खन्ना, देव आनंद और मनोज कुमार जैसे अभिनेताओं के साथ उन्होंने कई सुपरहिट फिल्में दीं, लेकिन फिर भी, उनकी 'छोटी बहन' वाली मासूम और प्यारी छवि दर्शकों की यादों में सबसे ज्यादा बसी रही।

नंदा को उनके करियर के दौरान कई सम्मान भी मिले। उन्हें फिल्म 'आंचल' के लिए 1960 में फिल्मफेयर अवॉर्ड फॉर बेस्ट सपोर्टिंग एक्ट्रेस मिला। इसके अलावा, उन्होंने 'भाभी', 'इत्तेफाक', 'आहिस्ता आहिस्ता', और 'प्रेमरोग' के लिए नॉमिनेशन भी हासिल किए। नंदा ने अपने करियर में कई हिट फिल्में दीं। उनकी आखिरी हिट फिल्म 'शोर' (1972) थी, जिसमें उन्होंने मनोज कुमार की पत्नी की भूमिका निभाई। इसके बाद उन्होंने 1980 के दशक में कुछ फिल्मों में मां की भूमिका निभाई, जैसे 'आहिस्ता आहिस्ता' (1981), 'प्रेमरोग' (1982), और 'मजदूर' (1983)। 25 मार्च 2014 को नंदा का निधन हो गया। 75 साल की उम्र में उन्होंने आखिरी सांस ली।

गम को पीछे छोड़ 'कर्म' पर वापसी : धर्मेंद्र के निधन के बाद पहली बार मुस्कुराती दिखीं हेमा मालिनी

मुंबई/एजेन्सी

हिंदी सिनेमा के सुपरस्टार धर्मेंद्र के निधन के बाद उनका पूरा परिवार और फैंस दोनों ही इस क्षति से उबर नहीं पा रहे हैं। हेमा मालिनी के लिए ये समय काफी दुख और कठिनाइयों से भरा है। हालांकि अब अभिनेता के निधन के बाद हेमा मालिनी ने अपने काम पर वापसी कर ली है, और पहली बार उनके चेहरे पर खुशी देखी गई है। हेमा मालिनी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक वीडियो पोस्ट किया है, जिसमें वे मथुरा में आयोजित हुए संसद खेल महोत्सव का हिस्सा बनी हैं। वीडियो में हेमा खिलाड़ियों का हौसला बढ़ा रही हैं और अपने गम को पीछे छोड़ अपने काम पर फोकस करने की कोशिश कर रही हैं। वीडियो में सांसद के चेहरे पर लंबे समय बाद खुशी देखी गई। उन्होंने वीडियो शेयर कर लिखा, कल मथुरा में मैराथन संसद खेल महोत्सव का उद्घाटन हुआ। राज्य के कोने-कोने से विभिन्न विधाओं में प्रतिभागी भाग ले रहे हैं। विशेष रूप से उल्लेखनीय है शूटिंग, कुश्ती और इसी तरह की अन्य बहु-विधाओं में कई लड़कियां न केवल भागीदारी कर रही हैं बल्कि शानदार प्रदर्शन भी कर रही हैं! उन्होंने आगे लिखा, पीएम मोदी की पहल के कारण, योग्यता को महत्व दिया जा रहा है और अब हम देखते हैं कि जीवन के हर क्षेत्र से जुड़े प्रतिभागियों को अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिल रहा है। मथुरा का यह उदाहरण साबित करता है कि अब सभी को समान अवसर मिल रहे हैं।

यूजर्स भी हेमा मालिनी को वापस मुस्कुराता देखकर बहुत खुश हैं। एक यूजर ने कमेंट कर लिखा, आप हमेशा चट्टान की तरह मजबूत, कोमल हृदय और पवित्र आत्मा वाली एक अच्छी इंसान हैं। हेमा जी, आपका हृदय कितना पवित्र और शुद्ध है, ऐसे ही हंसती-मुस्कुराती रहिए, भगवान आपको हिम्मत दे। एक अन्य यूजर ने लिखा, आपकी शक्ति और जनसेवा के प्रति समर्पण प्रेरणादायक है, हेमा जी। अपने गम को भुलाकर कर्म ही सच्ची सेवा है। बता दें कि हाल ही में हेमा मालिनी ने धर्मेंद्र की दो अलग-अलग प्रार्थना सभा रखने के सवाल पर चुप्पी तोड़ी थी और मीडिया को दिए इंटरव्यू में कहा कि वे दोनों परिवारों का आपसी मामला है। दरअसल, एक प्रेयर मीट हेमा मालिनी ने आयोजित की थी, जबकि दूसरी सनी देओल के घर रखी गई थी। हालांकि इसके बाद सवाल उठने लगे थे कि आज भी दोनों परिवारों के बीच मतभेद जारी है।

रस्सी कूद प्रतियोगिता में दिखाया अद्भुत प्रदर्शन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां वेपेरी स्थित अग्रवाल विद्यालय एंड जूनियर कॉलेज के छात्र पढ़ाई के साथ-साथ खेल कूद में भी किसी से कम नहीं हैं ये दिन - प्रतिदिन विभिन्न प्रकार के खेलों में अपनी विशेष प्रतिभा का प्रदर्शन कर विद्यालय का गौरव बढा रहे हैं। हाल ही में हुए तमिलनाडु स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी वंडलूर द्वारा आयोजित 22वीं सब जूनियर राष्ट्रीय रस्सी कूद चैंपियनशिप प्रतियोगिता में छात्र वर्ग में सुजीत ने (डबल अंडर) में तथा एस. नारायणन और दक्ष कुमार ने (स्पीड स्प्रिंट) में रजत पदक एवं छात्रा वर्ग में नक्षत्रा ने (फ्री स्टाइल) में रजत पदक और ईशाना ने (मुक्त शैली) में अपनी अद्भुत कला का प्रदर्शन कर कांस्य पदक जीतकर विद्यालय का मान बढ़ाया।

इस शानदार उपलब्धि के लिए विद्यालय के सचिव एवं संवाददाता मुरारीलाल सोंथलिया, सभी समिति सदस्यों, प्रधानाचार्या सी. विजयलक्ष्मी, वरिष्ठ उप प्रधानाचार्य रघुदेव, उप प्रधानाचार्या माहेश्वरी मारन एवं शिक्षकगणों की ओर से सभी होनहार छात्रों को बधाई दी गई।

अमृतवाणी का पाटोत्सव 11 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां अमृतवाणी सत्संग मंडल परिवार चेन्नई के सान्निध्य में अमृतवाणी परिवार अपना 29 वा पाटोत्सव 11 जनवरी को को मना रहा है। आगामी रविवार को सुबह 10 बजे से सिंधी धर्मशाला के परिसर में पाटोत्सव धूमधाम से मनाया जाएगा। इसमें सबसे पहले श्री गणेश वंदना श्री गुरु वंदना मां सरस्वती वंदना के बाद सामूहिक रूप से अमृतवाणी पाठ और भजन होंगे। कार्यक्रम के उपरांत महाप्रसादी की व्यवस्था दोपहर में रखी गई है। यह जानकारी मंडल के सदस्य अरविंद कुमार दाधीच ने बताया कि सभी श्रद्धालु रामजी व गुरुकृपा के लिए कार्यक्रम में शामिल हों और आशीर्वाद प्राप्त करें।

जीवन में प्रेम से सब कुछ संभव है : साध्वीश्री भव्यगुणा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूर। शहर के पार्क वेस्ट अपार्टमेन्ट में में विराजित साध्वी भव्यगुणाजी ने कहा कि प्रेम से सब कुछ संभव है। खूंखार से खूंखार जानवर भी प्रेम से वश में हो जाता है। जहरीला नाग भी बीन पर मंत्रमुग्ध हो जाता है, इसलिए वाणी हमेशा प्रेमभरी व मृदु होनी चाहिए, जो आपसे मिले तो वो आपसे मिलकर, आपका ही होकर रह जाए। उन्होंने कहा कि आज सब प्रेम के ही भूखे हैं क्योंकि चिंता, जिम्मेदारियों और परेशानियों ने इंसान को अन्दर से खोखला कर दिया है। विश्वास कीजिए आपके मीठे दो बोल, प्रेम भरी दिलासा या स्नेहिल शब्द किसी के उजड़े चमन को बसा सकते हैं, रोते को हँसा सकते है,दर्द को भुला सकते हैं,जख्मों पर मलहम का काम कर सकते हैं।

साध्वी शीतलगुणाजी ने कहा कि जिसे जीना आता है वह बिना किसी सुविधा के भी खुश मिलेगा, जिसे जीना नहीं आता वह सभी सुविधाओं के होते हुए भी दु:ख मिलेगा। सेट या अपसेट होना मन की स्थिति पर निर्भर करता है। गरीब अपने झोपड़े में भी सेट है और अमीर अपने सुविधा क्षेत्र (कंफर्ट जोन) में रहते हुए भी अपसेट है। हम जीवन से पीड़ित नहीं हैं, लेकिन हम अपनी कल्पना से पीड़ित होते हैं। उन्होंने कहा कि हम अपने दिल और दिमाग और उनके द्वारा बनाए गए भ्रामक विचारों के बंदी हैं।

सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल का मदुरै प्रवासियों ने किया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। राजस्थान के सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल का मदुरै आगमन पर मदुरै प्रवासी राजस्थानी समाज की ओर से स्वागत सत्कार किया। प्रवासी संगठन प्रवक्ता दिनेश सालेचा ने बताया कि बाड़मेर, जैसलमेर, बालोतरा के सांसद उम्मेदाराम बेनीवाल का रेल्वे सबंधी संसदीय स्थायी समिति के अध्ययन दौरे के दौरान मदुरै आगमन पर यहां मदुरै प्रवासी राजस्थानी समाज के लोगों ने साफा, माला पहनाकर एवं शॉल ओढ़ाकर स्वागत कर सम्मान किय। आयोजित कार्यक्रम में अनेक समाज के गणमान्य लोगों से सांसद को प्रवासियों की माँग मदुरै से सीधी रेल सेवा जोधपुर, बाड़मेर, जैसलमेर आदि के लिए अन्य शहरों से मदुरै तक विस्तार करना सहित अनेक विषयों से अवगत कराया। सांसद ने राजस्थानी समाज की इस महत्वपूर्ण मांग को अतिशीघ्र रेल मंत्री को अवगत करवाकर शीघ्र ही मदुरै के आस पास स्टेशनों से संचालित रेल सेवा को मदुरै तक विस्तार करने का आश्वासन दिया। इससे पूर्व सांसद ने परिवार सहित मदुरै स्थित मीनाक्षी मन्दिर में मीनाक्षी देवी की पूजा अर्चना की। इस दौरान मोहनलाल चौधरी, नेनमल कोठारी, पुनमाराम प्रजापत, प्रकाश चौधरी, लाधुराम विश्नोई, रूपाराम डऊकिया, पंकज कोठारी, मुकेश चारण, श्रीपाल हरण, दिलखुश बाफना, लक्ष्मण चौधरी,गोविंदराम, देवीलाल चौधरी समेत कई गणमान्य नागरिक मौजूद रहे।

कावेरी अस्पताल जटिल अतालताओं के उपचार के लिए उन्नत 3डी तकनीक शुरू करने वाला पहला अस्पताल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु में पहली बार, वडपलानी स्थित कावेरी अस्पताल ने जटिल हृदय लय विकारों, जिनमें ऊपरी कक्षों का एट्रियल फाइब्रिलेशन और निचले कक्षों का खतरनाक रूप से तेज वेंट्रिकुलर टैचीकार्डिया शामिल है, के लिए अत्याधुनिक कार्डियक इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी उपचार प्रदान करने हेतु एक उन्नत इलेक्ट्रोएनाटॉमिकल मैपिंग तकनीक का शुभारंभ किया है।

हृदय ताल की असामान्यताओं का सटीक पता लगाने और लक्षित उपचार करने में सक्षम उन्नत कार्डियक इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी तकनीकों की एक श्रृंखला के साथ इस प्रणाली का शुभारंभ अभिनेता आर. सरथकुमार, कावेरी ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स के सह-संस्थापक और कार्यकारी निदेशक डॉ. अरविंदन सेल्वराज और कावेरी हॉस्पिटल, वडापलानी के वरिष्ठ सलाहकार और कार्डियक इलेक्ट्रोफिजियोलॉजी निदेशक डॉ. दीप चंद राजा की उपस्थिति में किया गया।

अच्छे भावों के साथ शुभ कार्यों की अनुमोदना करें : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय गुरु ज्येष्ठ पुष्कर जैन आराधना केन्द्र में विराजित उप प्रवर्तक श्री नरेशमुनिजी ने गुरुवार को आयोजित प्रवचन सभा में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए कहा कि यह शाश्वत सत्य है कि कर्म का फल अवश्य मिलता है। भगवान महावीर ने क़हा है कि अतीत में जैसा भी कुछ कर्म किया है, भविष्य में वह उसी रूप में उपस्थित होता है।

अतः इंसान को कर्म करते समय हर वक्त सावधान रहना चाहिए।शुभ कर्मों का फल शुभ होता है और अशुभ कर्मों का फल अशुभ होता है यह याद रखना चाहिए। निकाचित कर्मों का फल कोई भी जीव हो, साक्षात तीर्थंकर भगवान को भी भोगना पड़ता है।

मुनिश्री ने आगम में वर्णित श्रेणिक राजा का उदाहरण देते हुए कहा कि राजा ने एक हिरनी का शिकार किया और अपने इस कृत्य पर खुशी जताई और उनके निकाचित कर्मों का बंध हो गया था। जिस पाप के फलस्वरूप उन्हें नरक में जाना पड़ा। वहीं शालिभद्रजी ने पूर्व भव में मुनि भगवंत को अहोभाव से आहार दान देकर अपने मन में हर्ष भाव लाए और उनके असीम पुण्य कर्मों का बंध हो गया जिसके शुभ परिणाम स्वरूप उनको अगले भव में अपार ऋदि, सिद्धि, धन, वैभव की विशेष प्राप्ति हुई।

इस मौके पर श्री शालिभद्रमुनिजी ने कहा कि यह संसार अनित्य, नाशवान, क्षणभंगुर है। जीवन में सुख दुख दिन रात की तरह परिवर्तनशील है। संसार में जीव अकेला ही आता है और अकेला ही जाता है। साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी, डॉ मेघाश्रीजी, आस्थाश्रीजी ने गुरु मां महासाध्वी डॉ श्री दर्शनप्रभाजी के उन पर रहे महान असीम उपकारों को याद करते हुए गुरुणीमैया के प्रति अपने आत्मीय श्रद्धा भाव प्रकट किए। सभी साधु साध्वियों ने मुमुक्षु लवेश सिंघवी के दीक्षा महोत्सव प्रसंग पर सबके साथ मिलन पर खुशी जाहिर की।

बाफना परिवार जैन संघ का स्नेह मिलन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। हाल ही में श्री बाफना परिवार जैन संघ तमिलनाडु का स्नेह मिलन श्री केसरवाड़ी तीर्थ पुजल में सम्पन्न हुआ। इस कार्यक्रम के दौरान स्व. सुरेश बाफना मानसी ग्रुप सिरोही को बाफना रत्न एवं विक्रम जैन को बाफना युवा रत्न की उपाधि से अलंकृत किया गया। कार्यक्रम में कई रंगारंग मनोरंजन कार्यक्रम के साथ संपन्न हुआ, साथ ही बाफना परिवार जैन संघ की नवीन कार्यकारिणी का गठन किया गया।

नई समिति में अशोक बाफना भोपालगढ़ को अध्यक्ष व राजेश बाफना भोपालगढ़ को मंत्री सर्व सम्मति से निर्वाचित किया गया। ओमप्रकाश खींचन की अध्यक्षता में सुरेशकुमार गुडचातुर के संचालन में कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। बेंगलूरु से अध्यक्ष हस्तीमल चंडावल व रोशनकुमार चंडावल के साथ अनेक गणमान्य सदस्यों की उपस्थिति रही एवं तपस्यार्थी तथा मेधावी छात्रों का सम्मान किया गया। युवा मंडल का भी सहयोग रहा।

बीजेएस के राज्य अधिवेशन को लेकर बैठकों को दौर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। 18 जनवरी को कोयम्बटूर में भारतीय जैन संगठन तमिलनाडु राज्याधिवेशन के मद्देनजर 7 जनवरी को वेगई क्षेत्र में सभी चेपट्टस के जैन संघ केपदाधिकारियों एवं बीजेएस के कार्कार्ताओं से रू-ब-रू होने और सम्पर्क कर कार्यक्रम को यशस्वी करने के लिए बैठकें की गई।

तमिलनाडु बीजेएस के महामंत्री राजेश पोखरना एवं निवर्तमान राज्याध्यक्ष रमेश पटवारी के नेतृत्व में वेगई क्षेत्र के अध्यक्ष जयकिरण जी मूथा व मंत्री अरुण टांटिया ने 'सबसे सम्पर्क, सबको आमंत्रण' के उद्देश्य से रीजन के सभी चेप्टर्स, नागरकोइल, तिरुनेलवेली, कोविलपट्टी, सातुर, सिवकासी एवं मदुराई की संगठन यात्रा की जो अत्यधिक प्रभावशाली एवं प्रेरणा दायक रही। सभी जगह कार्यकर्ताओं ने काफी जोश एवं उत्साह से राज्य पदाधिकारियों का अपने क्षेत्र में स्वागत के साथ ही उनके साथ मीटिंग में भाग लिया तथा काफी उत्साहित होकर सभी ने आगामी राज्य अधिवेशन में अपनी सहभागिता का पक्का भरोसा भी दिलाया। हर जगह कार्यकर्ताओं का उत्साह सराहनीय था।

पारिवारिक पेंशन के लिए दो साल से दफ्तरों के चक्कर लगा रहे 85 वर्षीय वृद्ध

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मंगलूरु। तटीय कर्नाटक के निवासी 85 वर्षीय वासु कोटयन पारिवारिक पेंशन प्राप्त करने के लिए दो साल से भी अधिक समय से एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय का चक्कर लगा रहे हैं, लेकिन नौकरशाही की उदासीनता के चलते उन्हें अभी तक पेंशन मिलनी शुरू नहीं हुई है।

कोटयन की पत्नी वरिजा कोटयन ने सुरत्कल स्थित विद्यादायिनी प्राथमिक विद्यालय में 36 साल अध्यापन कार्य किया और दिसंबर, 2013 में वह सेवानिवृत्त हो गईं। उन्हें करीब एक दशक तक पेंशन मिली और जनवरी-2023 में उनका निधन हो गया। नियमों के मुताबिक, वासु कोटयन परिवार पेंशन के हकदार बन गए और उन्होंने सभी आवश्यक दस्तावेजों के साथ 23 मार्च, 2023 को मंगलुरु में प्रखंड शिक्षा अधिकारी के पास एक आवेदन पत्र जमा किया जिसे सिफारिश के साथ महालेखाकार के पास भेज दिया गया। हालांकि, कोटयन का आरोप है कि कई बार संपर्क करने के बावजूद आवेदन पर कोई जवाब नहीं मिला। वह आठ बार बेंगलुरु में महालेखाकार कार्यालय गए और तीन बार आवेदन पत्र जमा किया और सात बार रिमाइंडर का पत्र भेजा।

उन्होंने कहा कि अधिकारियों ने एक नॉमिनी की अनुपस्थिति और संयुक्त फोटोग्राफ नहीं होने का हवाला देते हुए आगे कार्यवाही नहीं की, जबकि मृत्यु प्रमाण पत्र और संयुक्त फोटोग्राफ आदि पहले ही जमा किए जा चुके हैं।

कोटयन ने बताया कि एक बार तो महालेखाकार कार्यालय द्वारा मृतक वरिजा कोटयन के नाम पर एक पंजीकृत पत्र भेजा गया जोकि वापस चला गया क्योंकि इसे प्राप्त करने के लिए हस्ताक्षर की आवश्यकता थी। क्या एक मृत व्यक्ति के लिए पंजीकृत पत्र प्राप्त करना संभव है। थक हार कर कोटयन ने जनवरी, 2025 में उडुपी स्थित मानवाधिकार संरक्षण फाउंडेशन से संपर्क किया जिसने इस मामले को महालेखाकार कार्यालय के समक्ष उठाया। इसके बाद महालेखाकार कार्यालय ने 11 अगस्त, 2025 को जिला कोषागार, मंगलुरु को पत्र लिखा और परिवार पेंशन मंजूर करने के लिए पेंशन के कागजात मांगे। कोटयन का कहना है कि इसके बावजूद, चार महीने बाद भी कोई पेंशन जारी नहीं की गई।

फाउंडेशन के ट्रस्टी डाक्टर रवींद्रनाथ शानबाग ने कहा कि अदालत का स्पष्ट आदेश है कि एक नॉमिनी की अनुपस्थिति में परिवार पेंशन, पात्र सदस्यों को दिया जाना चाहिए। फाउंडेशन ने इस मामले को केंद्रीय वित्त मंत्रालय के समक्ष उठाया है और कोटयन को तत्काल न्याय देने की मांग की है।

पगारिया जेबीएन ट्रेंडसेटर यूनिकॉन्स का महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। जीतो साउथ और पगारिया जेबीएन ट्रेंडसेटर यूनिकॉर्न्स ने स्मॉल स्केल बिजनेस-महिला सशक्तिकरण कार्यक्रम का आयोजन किया। इस आयोजन का उद्देश्य महिला उद्यमियों को सशक्त बनाना और नेटवर्किंग, रेफरल, और प्रेरणादायक कहानियों के लिए एक मंच प्रदान करना था, जिससे विकास और सहयोग को बढ़ावा दिया जा सके। बैठक का नेतृत्व यूनिकॉर्न्स लीडरशिप टीम रेफरल हेड दर्शित सुराणा, रेफरल लीड कमल जैन और रेफरल सेक्रेटरी प्रफुल्ल दिनेश ने किया। स्मॉल स्केल बिजनेस वर्टिकल के तहत विनिता की रसोई की विनिता जैन ने अपने स्वादिष्ट घरेलू खाद्य पदार्थों का प्रदर्शन किया।

परीक्षा में कुत्ते के नाम के विकल्प में 'राम' नाम शामिल करने पर विवाद

महासमुंद/भाषा। छत्तीसगढ़ के महासमुंद जिले में सरकारी स्कूलों की चौथी कक्षा की छमाही परीक्षा के अंग्रेजी के प्रश्नपत्र में एक सवाल पर विवाद खड़ा हो गया है, जिसमें एक वस्तुनिष्ठ प्रश्न में कुत्ते के नाम के लिए विकल्प में 'राम' नाम दिया गया था।

बुधवार को हुए अंग्रेजी के पेपर में छात्रों से मोना के कुत्ते का नाम पहचानने के लिए कहा गया था, जिसमें चार विकल्पों में से एक 'राम' नाम भी शामिल था। बाकी तीन विकल्प बाला, शेरू और कोई नहीं बताया गया था।

यह मामला सामने आने के बाद, दक्षिणपंथी संगठनों ने भगवान राम के रूप में पूजे जाने वाले नाम को कुत्ते के नाम के विकल्प में शामिल करने पर आपत्ति जताई और यहां जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) के कार्यालय के सामने विरोध प्रदर्शन किया। उन्होंने आरोप लगाया कि इससे धार्मिक भावनाएं आहत हुई हैं।

विरोध के बाद जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) विजय कुमार लहरे ने बृहस्पतिवार को इस पर खेद व्यक्त किया और आश्वासन दिया कि ऐसी गलतियों को दोबारा होने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

डीईओ ने कहा कि संबंधित सवाल को चुना गया था और प्रिंटिंग के लिए भेजा गया था, लेकिन उस प्रश्न पत्र के बजाय, एक अलग प्रश्न पत्र प्रिंट हो गया। परीक्षा पत्रों की गोपनीयता के कारण यह मामला परीक्षा केंद्र पर पेपर खुलने के बाद ही सामने आया।

लहरे ने एक बयान में कहा कि जैसे ही मामला सामने आया, संबंधित विकल्प को तुरंत हटा दिया गया और उसकी जगह एक नया विकल्प डाल दिया गया। उन्होंने कहा कि विभाग ने संबंधित वेंडर से स्पष्टीकरण मांगा है और यह पता लगाने के लिए प्रिंटेड मैन्युस्क्रिप्ट जमा करने को कहा है कि प्रश्न पत्र कैसे बदला गया।

डीईओ ने कहा कि इससे किसी की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का कोई इरादा नहीं था और यदि किसी की भावनाएं आहत हुई हैं, तो वह इसके लिए खेद व्यक्त करते हैं तथा साथ ही आश्वासन दिया कि परीक्षा प्रक्रिया को और मजबूत किया जाएगा तथा आवश्यक सावधानियां बरती जाएंगी।

इस बीच, विश्व हिंदू परिषद (विहिप) ने इस मुद्दे पर कड़ा विरोध दर्ज कराया है।

जिला कलेक्टर को लिखे एक पत्र में विहिप की जिला इकाई के प्रमुख हर्षवर्धन चंद्राकर ने ऐसे सवाल तैयार करने वालों को गिरफ्तार करने और सेवा से बर्खास्त करने की मांग की है।

संगठन ने कहा कि छोटे बच्चों की परीक्षाओं में ऐसे सवाल अनुचित और धार्मिक भावनाओं के लिए अपमानजनक हैं। उन्होंने जिम्मेदार लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.